केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 205 गुरूवार 15 फरवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

हाईवे पर सांड बने यातायात में संकट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
छावनी (बस्ती)। सांड़ों की ऐसी लड़ाई छिड़ी, जिससे हड़कंप मच गया। छावनी कस्बे के पास हाईवे जंग का मैदान बन गया। इसके चलते करीब दस मिनट तक यातायात थम गया। कस्बे के निर्माणाधीन फ्लाईओवर के सर्विस लेन पर तीन सांडों की लड़ाई चलने तक फोरलेन पर गाड़ियां जहां की तहां खड़ी हो गईं। इस दौरान बाइक सवार किसी तरह बचकर निकलते दिखे। जंग थमने तक हड़कंप की स्थिति बनी रही। कई लोगों ने इस जंग को मोबाइल में कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर वायरल करने लगे।

छावनी में फ्लाईओवर निर्माण के चलते सर्विस लेन से ही वाहनों का आवागमन हो रहा है। बताया जा रहा है कि मंगलवार की शाम करीब पांच बजे अचानक तीन सांड़ आपस में भिड़ गए। सांड़ों की इस लड़ाई से बचने के लिए बाइक सवार खड़े हो गए। तो फोरलेन पर भारी वाहनों की कतार लग गई। लड़ते हुए सांड़ सूर्यवंशी कॉम्प्लेक्स के सामने चाय की गुमटी तक जा पहुंचे। घटनास्थल के पास मौजूद पूर्व ग्राम प्रधान आरके सिंह व अन्य लोगों ने भागकर जान बचाई। कुछ देर बाद एक सांड़ के भाग जाने से सांड़ों की लड़ाई थमी, जिसके बाद फोरलेन पर यातायात बहाल हो सका। दुकानदार अरुण सिंह ने कहा कि पिछले एक सप्ताह से सांड़ कहीं से आ गए हैं, जिससे लोग भयभीत हैं।

श्रद्धापूर्वक मनाया गया बसंत पंचमी पर्व

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । गायत्री शक्तिपीठ पर बुधवार को बसंत पंचमी के अवसर पर अखंड जप,विद्यारंभ संस्कार, हवन यज्ञ के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ,साथ ही साथ गायत्री परिवार के साधको द्वारा सांयकाल पर्व पूजन – दीप यज्ञ के माध्यम से पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य का आध्यात्मिक जन्म दिवस मनाया गया । गायत्री मंत्र का जाप करने वाले सैकड़ो साधको ने ज्ञान की देवी सरस्वती के अवतरण पर्व पर 'असतो मा सदगमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय' के महामंत्र का गान करते हुए समाज में फैले कुसंस्कार रूपी अंधकार को दूर करने का संकल्प लिया ।

मुख्य अतिथि के रूप में सदर एसडीएम गुलाबचंद ने गायत्री शक्तिपीठ की सराहना करते हुए सामाजिक एवं आध्यात्मिक विकास में इसके योगदान की प्रसंशा किया।

गायत्री शक्तिपीठ बस्ती के संचालक एवं वरिष्ठ परिव्राजक पं० राम प्रसाद त्रिपाठी ने बसंत पर्व के महत्व को बताते हुए कहा कि इसी दिन वर्ष 1926 में पूज्य गुरुदेव को अपने हिमालय वासी गुरु का साक्षात्कार हुआ था तभी से वोध दिवस के रूप में बसंत पर्व का आयोजन कर साधको द्वारा अपने गुरु के अनुशासन में जीवन जीने का संकल्प लिया जाता है । कार्यक्रम का संचालन अरविंद पाठक ने किया । कपिल देव मिश्रा, श्याम पांडे,कांती चौरसिया के द्वारा पर्व पूजन एवं दीप यज्ञ संपन्न कराया गया । कार्यक्रम का समापन सामूहिक सहभोज (भंडारे) के साथ किया गया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से जगदम्बिका पांडेय, सर्वेश श्रीवास्तव,के के पांडेय, महेश्वरानन्द, विशाल,राजकुमार, शिवम,मोनू,श्रवण कुमार,संतोष,दिनेश, विवेकानंद, अमन सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

मांगो को लेकर डटे किसान रेलवे ट्रेक रोकने की चेतावनी

नई दिल्ली (आभा)। किसान आंदोलन को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के घर पर बुधवार को बड़ी बैठक चली। इसमें केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री अर्जुन मुंडा भी मौजूद हैं. यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जबकि किसानों के साथ केंद्र की बातचीत होने की संभावना है।

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने बुधवार को कहा कि वे फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर केंद्र के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं. डल्लेवाल ने मीडिया में आई खबरों का हवाला देते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने अपने बयान में कहा है कि केंद्र किसानों के साथ बातचीत के लिए तैयार है और किसानों के मुद्दों को हल करने के लिए भी तैयार है।

सूत्रों की मानें तो बुधवार की शाम केंद्र के साथ किसानों की मीटिंग हो सकती है. माना जा रहा है कि केंद्र सरकार के मंत्री चंडीगढ़ आकर

–बैठकों में जुटे कृषि मंत्री, रक्षा मंत्री

किसानों के साथ फिर बैठक कर सकते हैं. केंद्र सरकार किसानों को जल्द मीटिंग का प्रस्ताव भेज सकती है. शंभू बॉर्डर पर अभी भी आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं. लोगों से अपील की जा रही है कि फिलहाल आगे न बढ़ें. किसान केंद्र से मीटिंग के निमंत्रण का इंतजार करेंगे।

किसान आंदोलन के बीच पंजाब के सबसे बड़े किसान संगठन भारतीय किसान यूनियन (उग्राहां) ने बड़ा ऐलान किया है और कहा है कि पंजाब भर में 15 फरवरी को दोपहर 12 बजे से लेकर 4 बजे तक रेलवे ट्रैक जाम किए जाएंगे. भारतीय किसान यूनियन ने दिल्ली जा रहे किसानों को रास्ते में रोकने, उनके ऊपर आंसू गैस छोड़ने और लाठी चार्ज के विरोध में यह फैसला लिया है. भारतीय किसान यूनियन (उग्राहां) के अध्यक्ष जोगेंद्र सिंह उग्राहां ने यह ऐलान किया है. हालांकि, भारतीय किसान यूनियन (उग्राहां) किसानों के दिल्ली कूच आंदोलन का हिस्सा नहीं है।

किसानों के प्रदर्शन को लेकर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सख्त हो चुकी हैं. इस बार प्रशासन द्वारा किसानों को प्रदर्शन के लिए हरियाणा और दिल्ली में किसी भी रूट पर आधिकारिक इजाजत नहीं दी गई है. जबकि पिछली बार प्रदर्शन की चुनिन्दा रूट पर इजाजत दी गई थी और किसान संगठनों के इसका उल्लंघन किया था. किसान प्रदर्शनकारियों को पहले ही कानून व्यवस्था संबधित सारे पहलुओं की जानकारी दे दी गई है. बावजूद इसके अलग प्रदर्शन कर रहे लोग बिना इजाजत के रूट पर आएंगे तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी

शक्ति वंदन कार्यक्रम में भाजपा नेताओं ने गिनाई उपलब्धियां: नारी शक्ति सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बुधवार को शक्ति वंदन कार्यक्रम 309 रूधौली बिधान सभा के अन्तर्गत ब्लाक सभागार में सम्पन्न हुई । मुख्य अतिथि लोकसभा प्रभारी सेतुभान राय, विशिष्ट अतिथि विधान सभा प्रभारी आनन्द सिंह कलहंस कार्यकम संयोजक पूर्व जिला अध्यक्ष/ब्लाक प्रमुख रामनगर यशकान्त सिंह उपस्थिति रहे। कार्यकम का आरम्भ दीपप्रजवल्लन और डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयान उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ।

मुख्य अतिथि सेतु भान राय जी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने 2014 के बाद आधी आबादी को सशक्त बनाने के लिए सर्वाधिक कार्य किया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने आधी आबादी के साथ न्याय कराने का कार्य किया है।

विधान सभा प्रभारी आनन्द सिंह ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार लगातार जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से नारी शसक्तीकरण को बल दिया है। ब्लाक प्रमुख रामनगर यशकान्त सिंह ने कहा कि नारी शक्ति का वंदन भारत की मूल में है हम सनातन संस्कृति को मानने वाले नारी शक्ति की वंदना हमारे समाज की अवधारणा में निहित है। प्रधान मंत्री नारी सशक्तिकरण के लिए आसाधारण निर्णय ले रहे हैं जिसके व्यापक और दूरगामी परिणाम दिखाई पड़ेगें। मण्डल अध्यक्ष रामनगर श्यामनाथ चौधरी जी अतिथियो के प्रति आभार ज्ञापन किया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा बी0सी0 सखी, समूह सखी, विद्युत सखी तथा अन्य महत्तवपूर्ण कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया । कार्यक्रम में मण्डल उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह,मण्डल महामंत्री गिरजेश मिश्रा, मण्डल महामंत्री गिरजेश यादव, मण्डल अध्यक्ष युवा मोर्चा वीर श्रीवास्तव,मण्डल महामंत्री युवा मोर्च सुशील चौधरी, जयराम चौधरी, मण्डल अध्यक्ष महिला मोर्चा आरती मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

बसंत पंचमी पर जीवीएम में विधि विधान से हुआ नौनिहालों का विद्यारम्भ संस्कार

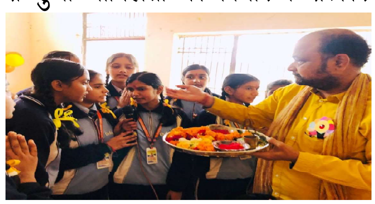

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जी.वी.एम. कान्वेंट स्कूल में वसंत पंचमी के अवसर पर विद्यारंभ संस्कार समारोह का आयोजन किया गया जिसमे विद्यालय प्रबंधक सन्तोष जी एवम प्रधानाचार्या श्रीमती विजयलक्ष्मी सिंह जी द्वारा मां सरस्वती जी का पूजन अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । इसके बाद श्री सिंह द्वारा छोटे नौनिहालों का विद्यारंभ संस्कार किया गया जिसे बच्चो को श्री सिंह द्वारा गुरुकुलम रीति से शहद खिला कर किया। कार्यक्रम में कक्षा यू.के.जी की छात्रा तन्वी सिंह के द्वारा मां सरस्वती का रूप धारण कर अभिनय प्रस्तुत किया ।

कार्यक्रम में कक्षा 8वी की बालिकाओं द्वारा मां सरस्वती जी पर केन्द्रित वंदना का गायन किया जिसमे निशिका,अनुकृति, काजल,आराध्या,चाहत,वंशिका ,प्रिया,ऋषिता, आंचल,श्रेया,अनुश्री ने प्रतिभाग किया।

साथ ही साथ कक्षा 4वी की छात्रा हनी,आकृति,अंशिका, अविष्का के द्वारा हमारा प्यारा स्कूल कविता का पाठन किया गया ।

कार्यक्रम के अंत में श्री सिंह ने कहा कि जी. वी.एम स्कूल गुरुकुलम पद्धति पर बच्चो को शिक्षा प्रदान करता है इसलिए हर वर्ष वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर बच्चो का विद्यारंभ संस्कार करता है और आगे भी इसी तरह कराएगा । श्री सिंह का कहना है बच्चे अपने स्कूल की शिक्षा के साथ साथ अपने संस्कार से भी जुड़े रहे और अपना विद्या अर्जन करते रहे ।

इस अवसर पर राकेश, राजेश, सुधांशु, विजय गुप्ता,मिराज, प्रिंस ,गिरीश, मधुरम,आकाश, सैलेंद्र, सी. वी सिंह,अनन्या, निगहत, नमरा ,रुबीना, दिव्या,अनीता, रागिनी, हिना, मंजू,ममता,नीलम,शीतल, ऋचा, निधि,रीता, वंदना, मीनाक्षी ,श्रुति, आकांक्षा, प्रियंका, आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे ।

नकल विहीन बोर्ड परीक्षा की तैयारियों में जुटा प्रशासन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट बोर्ड परीक्षा शुचिता, पवित्रता, गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता के साथ नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए जिलाधिकारी अन्द्रा वामसी ने सभी मजिस्ट्रेट तथा केन्द्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया है। राजकीय बालिका इण्टर कालेज सभागार में आयोजित परीक्षा तैयारी बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सभी 122 परीक्षा केन्द्र पर अवस्थापना सम्बन्धी सुविधाएं उपलब्ध करायी जाय, सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रखे जायें तथा विधि व्यवस्था के अनुसार परीक्षा सम्पन्न करायी जाय।

उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्र पर परीक्षाकक्ष एवं स्ट्रांग रूप में लगे वायस रिकार्डरयुक्त सीसीटीवी कैमरे के डीवीआर में रिकार्डिंग क्षमता कम से कम 30 दिनों तक अनिवार्य हैं। प्रश्नपत्र एवं उत्तरपुस्तिकाओं के सुरक्षित रखरखाव के लिए लोहे की डबल लॉकयुक्त दो–दो आलमारियों की अलग–अलग व्यवस्था होगी।

–सीसीटीवी की निगरानी में होंगी परीक्षायें

शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था रखें तथा शौचालय की नियमित सफाई करायें। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्र पर स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए 24 घंटे सशस्त्र पुलिस बल की व्यवस्था रहेगी। प्रश्नपत्र स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक एवं बाहरी केन्द्र व्यवस्थापक की उपस्थिति में ही डबल लॉक आलमारी में सील कराया जायेगा।

उन्होंने कहा कि स्ट्रांग रूम की चाभी केन्द्र पर तैनात स्टेटिक मजिस्ट्रेट के पास सुरक्षित रहेगी। परीक्षा के दौरान जनपद में धारा 144 लागू कर दी गयी है। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि कन्ट्रोलरूम सक्रिय रखें, सोशल मीडिया पर निगरानी रखें तथा किसी प्रकार की अफवाह का तत्काल खण्डन करायें।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि जनपद में कुल 122 परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये गये हैं जिन पर हाईस्कूल में 42166 तथा इण्टरमीडिएट में 36711 कुल 78877 विद्यार्थी परीक्षा में भाग लेंगे। परीक्षा 22 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च तक होगी। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र एवं उत्तरपुस्तिकाओं के लीक होने के सम्बन्ध में तुरन्त कठोरतम विधिक कार्यवाही की जायेगी। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र के मुख्य द्वार पर मोबाइल फोन रखने की समुचित व्यवस्था की जायेगी।

बैठक का संचालन प्रधानाचार्य योगेश शुक्ला ने किया। इसमें ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शाहिद अहमद, सीआरओ संजीव ओझा, अपर पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सिंह, बीएसए अनुप कुमार, एसडीएम शत्रुघ्न पाठक, पीडी राजीव झा, उपनिदेशक कृषि डा0 अशोक गौतम, कृषि अधिकारी डा0 राजमंगल चौधरी, प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम सिंह, विकास श्रीवास्तव, समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय तथा केन्द्र व्यवस्थापकगण उपस्थित रहे।

अच्छी सरकार चुनेंगे तो आयेंगे अच्छे परिणाम– योगी

संवाददाता– गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सुरक्षा के बेहतर वातावरण के साथ समाज के हरेक तबके की समृद्धि और खुशहाली ही भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार की गारंटी है। यही मोदी जी की गारंटी है और इस गारंटी को पूरा करने के सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार लोगों को सुरक्षा और सम्मान देने के साथ उन्हें स्वावलंबी भी बना रही है।

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की हकीकत जानने और योजनाओं के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए देश स्तर पर शुरू हुए गांव चलो अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी गांव में चौपाल लगाई। बुधवार को गोरखपुर के रजही आजादनगर (वनटांगिया गांव) पहुंचकर उन्होंने घर–घर दस्तक दी। ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें मिले लाभ के बारे में जानकारी ली। बच्चों पर प्यार लुटाया, उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा और चॉकलेट गिफ्ट कर खूब पढ़ने, आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया।

लाभार्थियों से संवाद के बाद मुख्यमंत्री ने रजही में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार

आने के बाद देश और प्रदेश में व्यापक परिवर्तन हुआ है। 2014 के पहले गांव को कोई पूछता नहीं था। गरीबों के बारे में कोई सोचने वाला नहीं था। महिलाओं के बारे में कोई बोलता नहीं था। नौजवानों का हाल–चाल लेने वाला कोई नहीं था। किसान तबाह था, गरीब भूखों मरता था, किसान आत्महत्या करता था। उन्होंने कहा कि जबकि आज गांव, गरीब, किसान, महिला, नौजवान समेत समाज के हरेक तबके के लिए सरकारी योजनाएं बेहद प्रभावी ढंग से आगे बढ़ रही हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अकेले उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ने 55 लाख 83 हजार लोगों को एक–एक आवास उपलब्ध कराया है। ये आवास 2014 के पहले भी मिल सकता था लेकिन इन गरीबों को आवास नहीं मिल पाया। 2 करोड़ 63 लाख से अधिक गरीबों को एक–एक शौचालय मिला। प्रदेश में 15 करोड लोग फ्री में राशन की सुविधा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। 10 करोड लोगों को आयुष्मान भारत योजनाकी सुविधा का लाभ अकेले उत्तर प्रदेश में प्राप्त हो रहा है। हर योजना का लाभ हर गरीब तक पहुंचाने के लिए सरकार के द्वारा कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रामीणों को यह भी बताया कि योजनाओं का लाभ देने के साथ ही सरकार सरकार एक नया कार्ड यानी फैमिली आईडी कार्ड जारी करने वाली है। हम फैमिली आईडी कार्ड हर परिवार को देंगे। इसमें जिन लोगों को योजनाओं का लाभ मिला है, उनका उल्लेख होगा और जिनको नहीं मिला है उनको आने वाले समय में जरूर मिलेगा।

चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग के लिये मुआवजे की प्रकिया शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। अयोध्या की चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग का निर्माण जल्द शुरू होगा। जिले में परिक्रमा मार्ग में पड़ने वाले गांवों में मार्ग का चौड़ीकरण होगा। इसके लिए मुआवजे की प्रक्रिया शुरू की गई है। मार्ग की परिधि में आ रहे किसानों से उनकी खतौनी, पासबुक लेकर बंध–पत्र पर हस्ताक्षर करवाने के साथ जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राजस्व लेखपाल इस काम में जुटे हुए हैं। कुल 275 किलोमीटर लंबे परिक्रमा मार्ग में बस्ती जिले में 29 किमी लंबाई में टू–लेन का निर्माण होना है। पहले फेज में बस्ती के मखौड़ा से शेरवा घाट तक काम होना है।

एसएलओ बस्ती रमेश यादव ने बताया कि राजस्व कर्मियों को अपने क्षेत्र से किसानों के कागजात जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। हर्रैया तहसील के सोनबरसा, मल्लूपुर, रामगढ़ खास, अमोढ़ा, रूपगढ़ गांवों में किसानों के मुआवजे की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन ग्राम पंचायतों के नीमडांड, कन्नाई, मल्लूपुर, नाल्हीपुर, रेडवल, रामरेखा आदि गांवों में राजस्व लेखपाल जमीनों की हिस्साकसी निर्धारण करने के लिए किसानों की खतौनी की नकल, आधार–कार्ड, पासबुक की फोटोकॉपी जमा करा रहे हैं। जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 84 कोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माण में तेजी आएगी।

सोनबरसा के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि देवमणि उर्फ बब्लू यादव के अनुसार उनके गांव के कई लोगों की जमीनों के अंश निर्धारण व हिस्साकसी करने में राजस्व विभाग की चूक सामने आ रही है। कुछ लोगों को नुकसान हो रहा है, वही कुछ को ज्यादा मुआवजा मिल जाएगा। 22 लोगों की जमीन परिक्रमा मार्ग की परिधि में आ रही है। रामगढ़ खास के ग्राम प्रधान अजय सिंह ने बताया कि गांव में 16 फरवरी को कैंप लगाकर किसानों के कागजात लिए जाएंगे। सोनबरसा के लेखपाल राजेंद्र पांडेय, मल्लूपुर के राजेश मौर्य, रूपगढ़ के संजय सहित अन्य गांवों के लेखपाल काम में जुटे हुए हैं। सरयू नदी पर शेरवा घाट पर पुल का निर्माण भी होना है।

जिले में मखौड़ा, बेरता, कोहराएं, रजवापुर, मेढैया शुक्ल, नगरा बदली, केनौना, कलानी कला, खड़ैचा, रामगढ़ खास, फत्तेपुर, नीमडाड, नाल्हीपुर, रेडवल, रामरेखा, अमोढा, बरखंडीजोत, देवखाल, कुदरही, विशेश्वरगंज, बसंतपुर, कसैला, समोढा, तुर्कीपुर, हनुमान बाग चकोही मंदिर, बरसाव, पूरे ओरीराय, कटारिया, सुविखा बाबू, शेरवाघाट सहित करीब 54 गांवों से होकर परिक्रमा मार्ग गुजरेगा।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में स्थापित स्तंभ के जीर्णोद्धार के लिये आगे आये शिक्षक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ विकासखंड बनकटी अध्यक्ष अभय सिंह यादव की अध्यक्षता में संविलियन विद्यालय बनकटी के प्रांगण में स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की याद में स्थापित स्तंभ के जीर्णोद्धार एवं पुर्नस्थापना हेतु पूर्व माध्यमिक विद्यालय बनकटी के प्रांगण में विधि विधान से भूमि पूजन कार्य संपन्न हुआ। निर्मित स्तंभ पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण करते हुए देश के शहीदों को भी नमन किया गया।

भूमि पूजन के दौरान विकासखंड बनकटी के तमाम शिक्षक यजमान के रूप में मौजूद रहे। आचार्य चंद्रभाल त्रिपाठी एवं संगठन के संरक्षक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की देखरेख में वैदिक मत्रों के बीच स्तंभ को पुनस्थापित करने हेतु आधारशिला रखा गया । इस दौरान शिक्षकों के तालियों की गड़गड़ाहट एवं शहीदों के जयकारों से प्रांगण गुंजायमान हो गया ।

भूमि पूजन के दौरान प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अभय सिंह यादव ने कहा कि यह कार्य महत्वपूर्ण है। देश के लिये सर्वस्व न्यौछावर कर देने वाले अमर शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृतियों और आधार स्तम्भों को सुरक्षित रखना हम सबका सामूहिक दायित्व है। संगठन मंत्री चन्द्रशेखर शर्मा ने कहा कि यह पहल सराहनीय है। शिक्षक इस दायित्व को अपने संसाधनों से पूरा करेंगे।

-भूमि पूजन के साथ निर्माण शुरूः स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की स्मृतियों को सुरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी-अभय सिंह यादव

भूमि पूजन के बाद प्रांगण में स्थित स्तंभ पर पहुंचकर उपस्थित शिक्षकों ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए शहीदों को नमन कर भारत माता की जय जयकार किया । कार्यक्रम का संचालन अतुल कृष्ण राज ने किया । भूमि पूजन के बाद आयोजित समारोह को कार्यवाहक अध्यक्ष राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक मोहम्मद इकबाल, संगठन के संरक्षक आचार्य रामचंद्र शुक्ल, मंत्री चंद्रशेखर शर्मा कोषाध्यक्ष राम रेखा चौधरी, एआरपी राकेश मिश्रा, राधेश्याम गुप्ता, शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राघवेंद्र उपाध्याय, प्राथमिक शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष दीपक चौरसिया, सौरभ तिवारी, दिग्विजय नाथ यादव, मोहम्मद कामरान, ग्राम प्रधान देवमी राजेंद्र प्रसाद चौधरी, उपाध्यक्ष मंजेश राजभर, संयुक्त मंत्री आदित्यनाथ त्रिपाठी, शारदा प्रसाद चतुर्वेदी, विक्रांत द्विवेदी, कृष्ण बिहारी पाण्डेय आदि ने संबोधित करते हुये कहा कि यह कार्य अति शीघ्र पूर्ण होगा और क्षेत्रीय नागरिकों को भी अपने इतिहास बोधा की जानकारी बेहतर ढंग से होगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ध्रुव नारायण दुबे, महेंद्र सिंह, आशुतोष पाण्डेय राम सिंह, परशुराम, अभिराम, उमराव, राजेन्द्र पाल, शैलेन्द्र पाल, लोकेश्वर चौधरी, चंद्रभान चौधरी, राम अछैवर चौधरी के साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षा एवं संगठन के पदाधिकारी और क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 फरवरी 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

किसानों के मार्ग में कीलें क्यों ...?

यदि राजनीति और अन्य दुराग्रहों को नजरअंदाज कर दें तो देश के लिये अन्न उगाने वाले किसानों का अपनी मांगों के लिये सड़क पर आना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जायेगा। भले ही 2020–21 में हुए लंबे किसान आंदोलन के दौरान होने वाली हिंसक घटनाओं और लाल किले प्रकरण के मद्देनजर केंद्र व हरियाणा सरकार सख्ती दिखा रही हो, लेकिन फिर किसानों के लिये मार्ग में भारी–भरकम अवरोध लगाने और कीलें बिछाने की कार्रवाई को अच्छा नहीं कहा जा सकता है। निस्संदेह,प्रशासन के सामने कानून–व्यवस्था का प्रश्न होता है और ऐसे आंदोलन के दौरान अराजक तत्वों की दखल का अंदेशा बना रहता है। आम नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर ऐसे उपाय जरूरी हो सकते हैं मगर सवाल यह है कि ऐसी स्थिति आती ही क्यों है? समय रहते किसानों के जायज मुद्दों पर संवेदनशील पहल क्यों नहीं होती। तीन कृषि कानूनों के विरोध में लंबे चले आंदोलन के बाद हुए समझौते से जुड़े मुद्दों पर अमल के लिये केंद्र सरकार के पास पर्याप्त समय था। बेहतर होता कि कुछ मांगों को पूरा करने पर पहल होती। वैसे सरकार की दलील रही है कि इतने बड़े देश में हर फसल को एमएसपी के दायरे में लाना व्यावहारिक न होगा और उसका अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ेगा। लेकिन इसके बावजूद हम स्वीकारें कि आज खेती घाटे का सौदा बन गई है। किसानों की आत्महत्या को इससे जोड़कर देखा जाना चाहिए। नई पीढ़ी अब खेती से कतराने लगी है। निस्संदेह, भारतीय खेती का स्वरूप विशुद्ध व्यावसायिक नहीं रहा है, लेकिन हमें याद रहे कि देश की करीब आधी आबादी प्रत्यक्ष और परोक्ष तौर पर खेती व उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है। अतरू खेती को लाभकारी बनाने की जरूरत है। कोई बीच का रास्ता किसान असंतोष को दूर करने के लिये उठाया जा सकता है। दरअसल, किसान आंदोलनकारी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने , खेतिहर मजदूरों के लिये पेंशन, कृषि ऋण माफी, डब्ल्यूटीए से हटने, किसानों पर दर्ज मुकदमें वापस लेने, लखीमपुर खीरी कांड के पीड़ितों को आर्थिक मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

विडंबना है कि आंदोलन की शुरुआत से पहले किसानों से केंद्रीय मंत्रियों की मैराथन वार्ता बेनतीजा रही। जिसके बाद किसान नेताओं ने दिल्ली कूच करने के फैसले को अंतिम रूप दिया। दरअसल, किसान भी जानते हैं कि देश में जब आम चुनाव सिर पर हैं तो केंद्र सरकार पर दबाव बनाया जा सकता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के लिये कानून बनाने का उनका सबल आग्रह है। निस्संदेह, किसी भी संगठन को आंदोलन करने का संवैधानिक अधिकार है। लेकिन प्रयास होना चाहिए कि आंदोलन हिंसक रूप न ले और आंदोलन योजनाबद्ध ढंग से तार्किक परिणति तक पहुंचे। किसानों के मुद्दे अपनी जगह हैं लेकिन किसानों को रोकने के लिये सरकारों द्वारा की गई व्यूह रचना से आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हरियाणा के कई जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद पड़ी हैं। शासन–प्रशासन ने यात्रियों के लिये जो वैकल्पिक मार्ग तय किये हैं, यात्री उनमें भटक रहे हैं। दिल्ली की नाकेबंदी के चलते भयंकर जाम की स्थिति बन गई है और लोग तीन–चार घंटे तक जाम में फंसे रहे हैं। कई स्थानों पर किसानों को लेकर लोग आक्रोश व्यक्त करते रहे। परिवहन व्यवस्था सुधारने के बाबत सुप्रीम कोर्ट की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई है। निस्संदेह, किसानों को अपनी जायज मांगें रखनी चाहिए, वहीं सरकार को भी किसानों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील व्यवहार दिखाना चाहिए। आंदोलन पर राजनीतिक दलों की टिप्पणियों के बाद देश के शेष जनमानस में यह संदेश नहीं जाना चाहिए कि आंदोलन के मूल में राजनीतिक निहितार्थ हैं। वहीं किसानों को भी आने वाले समय में खेती में आने वाली चुनौतियों को भी नजर में रखना चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग, भूजल संकट और अन्य खामियों को दूर करने समेत दीर्घकालीन लक्ष्यों के लिये प्रयास तेज करने चाहिए। केंद्र सरकार को भी सोचना चाहिए कि जिस कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन को इसी माह भारत रत्न दिया गया है, उसी की सिफारिशों को लागू करने में विलंब क्यों हो रहा है।

किसानों का दिल्ली कूंच और सरकार

–सुरजीत सिंह–

नवंबर, 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कृषि कानूनों को वापस लेने के साथ ही किसान आंदोलन खत्म हो गया था। इसमें कुछ मांगों पर सहमति बनने के बाद समय–समय पर बातचीत कर समस्याओं का समाधान करने पर सहमति बनी। यह किसान आंदोलन ऐतिहासिक था। आंदोलन की समाप्ति के समय पंजाब में विधानसभा चुनावों का जोर था। लगभग सभी किसान यूनियनों ने आंदोलन के दौरान गैर–राजनीतिक रहने का संकल्प लिया था। उन्होंने आंदोलन के दौरान राजनीतिक दलों को करीब नहीं आने दिया। जब पंजाब में चुनावों का दौर शुरू हुआ तो सबसे पहले हरियाणा के गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने इस चुनाव में कदम रखा और राजेवाल ग्रुप समेत बाकी किसान संगठनों ने इसका विरोध किया।

लेकिन जैसे–जैसे चुनाव का समय नजदीक आता गया, बलबीर सिंह राजेवाल संयुक्त किसान मोर्चा की जगह संयुक्त समाज मोर्चा का झंडा लेकर चुनाव मैदान में कूद पड़े और पूरे पंजाब में अपने उम्मीदवार उतार दिए। राजेवाल जब चुनाव मैदान में उतरे तो किसान संगठनों ने कड़ा विरोध किया, लेकिन राजेवाल पीछे नहीं हटे। परिणामस्वरूप, राजेवाल की पार्टी को चुनाव में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। केवल एक उम्मीदवार ही अपनी जमानत बचा पाया, बाकी सभी की जमानत जब्त हो गई। बलबीर सिंह राजेवाल अपने निर्वाचन क्षेत्र समराला में अपनी जमानत बचाने में विफल रहे।

निस्संदेह, बलबीर सिंह राजेवाल बहुत बुद्धिमान किसान नेता हैं। किसान संगठनों में उनके स्तर के नेता विरले ही हैं। वह पूरे किसान आंदोलन में छाए रहे। वार्ता की मेज पर वे किसानों के मुद्दों पर अधिकारियों और भाजपा नेताओं पर भारी पड़े। जब वे बातचीत की मेज पर बैठते हैं तो पूरी तरह तैयार होकर आते हैं। आंदोलनकारी किसान संगठनों ने राजेवाल पर कई इल्जाम लगाए। इस हद तक कि उनके किसान संगठन को संयुक्त किसान मोर्चा से बाहर कर दिया गया। बाकी सभी किसान संगठन यदाकदा पंजाब में आंदोलन करते रहे। कभी बंदी सिंहों के नाम पर तो कभी पंजाब के पानी को बचाने के नाम पर। उन्होंने कभी केंद्र सरकार को धमकाया तो कभी राज्य सरकार को, लेकिन ठोस आंदोलन नहीं बन सका।

हाल ही में भारतीय किसान यूनियन (राजेवाल) ने पंजाब का पानी बचाने के नाम पर चंडीगढ़ में धरने की घोषणा की थी, लेकिन इसे वापस ले लिया गया। अब जब लोकसभा चुनाव नजदीक हैं तो किसानों ने भी केंद्र सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। अब किसानों का आंदोलन दो गुटों में तब्दील हो गया है। एक तरफ संयुक्त किसान मोर्चा और दूसरी तरफ संयुक्त किसान मोर्चा (गैर–राजनीतिक)। संयुक्त किसान मोर्चा में मुख्य रूप से भारतीय किसान यूनियन (लखोवाल), राजेवाल, भारतीय किसान यूनियन (एकता उगराहां), कादियां किसान यूनियन, आजाद किसान संघर्ष कमेटी, पंजाब किसान यूनियन, किरती किसान यूनियन (हरदेव) जम्हूरी किसान सभा, भारतीय किसान संघ शामिल हैं। किरती किसान मोर्चा (रोपड़), दोआबा किसान संघर्ष कमेटी, राष्ट्रीय किसान यूनियन, अखिल भारतीय किसान महासंघ समेत सरकारी कर्मचारी, व्यापारी, दुकानदार और ट्रेड यूनियनों ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ 16 फरवरी के भारत बंद में हिस्सा लेकर मोर्चा खोल दिया है।

जबकि मुख्य रूप से जगजीत सिंह डल्लेवाल के नेतृत्व में संयुक्त किसान मोर्चा (गैर–राजनीतिक), भारतीय किसान यूनियन (एकता सिद्धुपुर), किसान मजदूर संघर्ष समिति और भारतीय किसान यूनियन (क्रांतिकारी) किसानों की मांगों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ सीधे तौर पर भिड़ गए हैं। गैर–राजनीतिक मोर्चा पहले किसान आंदोलन की तरह अपना 6 महीने का राशन ट्रॉलियों पर लादकर दिल्ली की ओर बढ़ रहा है। पंजाब भर से सरकार की पाबंदियों के बावजूद किसानों का कारवां आगे बढ़ रहा है। साल 2021 के आंदोलन में सभी किसान संगठन एक मंच पर आकर केंद्र सरकार के खिलाफ खड़े हुए थे। साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों से भी उन्हें भरपूर समर्थन मिला। वह अब उपलब्ध नहीं हैं। प्रमुख किसान संगठनों ने दिल्ली मार्च से मुंह मोड़ लिया है। इनमें गुरनाम सिंह चढ़ूनी और राकेश टिकैत के संगठन शामिल हैं। दूसरी ओर, आम लोगों ने भी किसानों के रोजाना सड़क जाम करने के कार्यक्रमों का विरोध करना शुरू कर दिया है। आम तौर पर देखा गया है कि एक बार जब कोई आंदोलन सफल या असफल हो जाता है तो उसे दोबारा उसी रूप में खड़ा करना मुश्किल हो जाता है। किसान आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार ने किसानों से बातचीत कर मसले को सुलझाने की कोशिश की, लेकिन कुछ मांगों और सहमति को छोड़कर मामला सिरे नहीं चढ़ पाया। किसानों की मांगों में मुख्य रूप से डॉ. स्वामीनाथन के फार्मूले के अनुसार फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य, पूर्ण कर्जमाफी, फसलों और किसानों का बीमा, किसानों को प्रतिमाह दस हजार रुपये का भुगतान, लखीमपुर खीरी में किसानों पर दर्ज किए मुकदमे वापस लेना शामिल है। किसानों को कुचलने के दोषियों को सजा देने के साथ ही सभी मुद्दों का समाधान करने की मांग की गई है। इन्हीं मुद्दों और मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा (गैर–राजनीतिक) के बैनर तले किसानों ने दिल्ली की ओर कूच किया है।

कोटा में छात्रों की बढती आत्महत्यायें

–रमेश सर्राफ धमोरा–

कोटा में एक बार फिर कोचिंग स्टूडेंट के सुसाइड का मामला सामने आया है। छत्तीसगढ़ के रहने वाले स्टूडेंट शुभकुमार चौधरी (16) ने सोमवार रात फंदे पर लटककर जान दे दी। डीएसपी भवानी सिंह ने बताया कि स्टूडेंट 12वीं में पढ़ाई करता था। सोमवार रात जेईई की रिजल्ट आया था। सुबह उसने पैरेंट्स का फोन नहीं उठाया तब वार्डन को कॉल किया। वार्डन ने गेट को धक्का देकर खोला तो स्टूडेंट पंखे पर लटका हुआ था। इस साल कोटा में सुसाइड का यह चौथा मामला है। इसके अलावा 2 फरवरी को गोंडा के नूर मोहम्मद (27) ने, 31 जनवरी को कोटा के बोरखेड़ा की निहारिका (18) ने, 24 जनवरी को मुरादाबाद के मोहमद जैद (19) ने आत्महत्या की थी।

राजस्थान का कोटा शहर देश में कोचिंग का सबसे बड़ा केन्द्र बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कोचिंग संचालकों को सालाना कई हजार करोड़ रुपए की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। मगर देश की शीर्षस्थ मेडिकल व इंजीनियरिंग संस्थानों में चयनित होने वाले छात्रों में कोटा के छात्रों की संख्या काफी होती है। इसी कारण अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं।

कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग लगा रही हैं। वर्ष 2012 से अब तक यहां 148 छात्रों ने आत्महत्या की है। कोटा में कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्या की घटनाओं से पूरा देश सकते में है। सरकार व प्रशासन द्वारा लाख प्रयासों के उपरांत भी कोटा के छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं नहीं रूक पा रही हैं।

कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने का मुख्य कारण छात्रों पर पढ़ाई करने के लिए पड़ने वाले मनोवैज्ञानिक दबाव को माना जा रहा है। कोटा में कोचिंग लेने वाले छात्रों को प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बहुत से छात्रों के अभिभावकों की स्थिति इतना खर्च वहन करने की नहीं होती है। यहां पढ़ने वाले छात्रों में अधिकांश मध्यम वर्गीय परिवारों से होते हैं। उनके अभिभावक आर्थिक रूप से अधिक सक्षम नहीं होते हैं। अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाने के लिए वह लोग विभिन्न स्तरों पर पैसों की व्यवस्था कर बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं।

कोटा आने वाले छात्रों को पता है कि उनके अभिभावकों ने कितनी मुश्किल से कोचिंग लेने के लिए उन्हें कोटा भेजा है। ऐसे में यदि वह सफल नहीं होंगे तो उनके अभिभावक जिंदगी भर कर्ज में दबे रह जाएंगे। यही सोचकर छात्र हमेशा मनोवैज्ञानिक दबाव महसूस करता रहता है। इसके अलावा यहां पढ़ने वाले छात्रों पर पढ़ाई का भी बहुत अधिक दबाव रहता है। यहां के कोचिंग संस्थानों में कई शिफ्टों में अलग–अलग बैच में पढ़ाई होती है। यहां पढ़ने वाले छात्रों पर मेडिकल या इंजीनियर की परीक्षा में अच्छे नंबर हासिल करने को लेकर अभिभावकों व कोचिंग संस्थानों का दबाव होता है।

कोचिंग संस्थान भी अच्छा परिणाम दिखाने के चक्कर में छात्रों को मशीन बनाकर रख देते हैं। छात्रों पर हर दिन पढ़ाई का दबाव बना रहता है तथा साप्ताहिक टेस्ट पास करने के चक्कर में छात्र दिन–रात पढ़ाई करते रहते हैं, जिससे ना तो उनकी नींद पूरी हो पाती है ना ही वह मानसिक रूप से आराम कर पाते हैं। ऐसे में छात्र जल्दी उठकर कोचिंग संस्थान में जाकर पढ़ाई करने व दिनभर पढ़ाई में व्यस्त रहने के कारण वह तनाव में आ जाता है। बाहर से आने वाले बहुत से छात्र पढ़ाई में पिछड़ जाने के डर से आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं।

कोटा कभी राजस्थान का बड़ा औद्योगिक नगर होता था। मगर श्रमिक आंदोलनो के चलते यहां के उद्योग धंधे बंद होते गए। आज कोटा में नाम मात्र के ही उद्योग रह गए हैं। 1990 के दौरान कोटा शहर में कोचिंग संस्थान खुलने लगे थे। 2005 तक यहां बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान स्थापित हो गए जिनमें प्रतिवर्ष लाखों छात्र पढ़ने लगे। आज कोटा शहर की पूरी अर्थव्यवस्था इन कोचिंग संस्थानों पर ही निर्भर है। शहर के हर चौक–चौराहों पर छात्रों की सफलता से अटे पड़े बड़े–बड़े होर्डिंग्स बताते हैं कि अब कोटा में कोचिंग ही सब कुछ है। यह सही है कि कोटा में सफलता की दर तीस प्रतिशत से ऊपर रहती है। देश के इंजीनियरिंग और मेडिकल के प्रतियोगी परीक्षाओं में टाप टेन में पांच छात्र कोटा के रहते हैं। मगर उसके साथ ही कोटा में एक बड़ी संख्या उन छात्रों की भी है जो असफल हो जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कोटा के कोचिंग मार्केट का सालाना आठ हजार करोड़ का टर्नओवर है। कोचिंग सेन्टरों द्वारा सरकार को सालाना 500–700 करोड़ रूपये से अधिक टैक्स के तौर पर दिया जाता है।

कोटा में देश के तमाम नामी गिरामी संस्थानों से लेकर छोटे–मोटे 200 कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। यहां तक कि दिल्ली, मुंबई के साथ ही कई विदेशी कोचिंग संस्थाएं भी कोटा में अपना सेंटर खोल रही हैं। लगभग ढ़ाई लाख छात्र इन संस्थानों से कोचिंग ले रहे हैं। कोटा में सफलता की बड़ी वजह यहां के शिक्षक हैं। आईआईटी और एम्स जैसे इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में पढने वाले छात्र बड़ी–बड़ी कम्पनियों और अस्पतालों की नौकरियां छोडकर यहां के कोचिंग संस्थाओं में पढ़ा रहे हैं। तनख्वाह ज्यादा होने से कोटा शहर में 75 से ज्यादा आईआईटी पास छात्र पढ़ा रहे हैं।

कोटा में बढ़ती आत्महत्याओं की घटनाओं से चिंतित सरकार हरकत में आई है। कोटा में कोचिंग करने वाले छात्रों के लिए अलग से पुलिस थाना खोला गया है। हॉस्टल के कमरों में ऐसे पंखे लगाए गये हैं जिन पर यदि कोई लटकने की कोशिश करेगा तो उस पर लगी डिवाइस में लगा सायरन बजने लगेगा। सरकार ने छात्रों के मानसिक तनाव के विस्तृत अध्ययन के लिए मनोचिकित्सकों की एक टीम भी बनाई है जो छात्रों से मिलकर आत्महत्याओं के कारणों की जांच करेगी। कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक सुनवाई के दौरान कहा था कि कोटा में बच्चों की सुसाइड के लिए उनके माता–पिता जिम्मेदार हैं, क्योंकि परिजन अपने बच्चों से उनकी क्षमता से ज्यादा आस लगा लेते हैं। ऐसे में बच्चे डिप्रेशन में आते हैं और खुदकुशी जैसे कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं।

केंद्र सरकार ने कोचिंग संस्थानों के लिए दिशानिर्देशों की घोषणा की है। जिनमें कोचिंग संस्थान 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों का नामांकन नहीं कर सकते। इसके अलावा न ही वे अच्छी रैंक या अच्छे अंकों की गारंटी दे सकते हैं और न ही गुमराह करने वाले वायदे कर सकते हैं। छात्रों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं, कोचिंग सेंटरों में सुविधाओं का अभाव और उनके पढ़ाने के तौर–तरीकों के बारे में शिकायतें मिलने के बाद सरकार ने इनकी घोषणा की है। दिशानिर्देशों के अनुसार कोई भी कोचिंग सेंटर स्नातक से कम शिक्षा वाले ट्यूटर को नियुक्त नहीं करेगा। छात्रों का नामांकन सिर्फ सेकेंडरी स्कूल परीक्षा देने के बाद हो सकेगा। इनमें छात्रों को स्ट्रेस फ्री रखने और फीस रिफंड प्रोसेस को आसान बनाने समेत कई दिशा निर्देश शामिल हैं।

कोटा में कोचिंग छात्रों के सुसाइड मामलों को लेकर प्रशासन के साथ–साथ पुलिस की स्पेशल सेल भी काम कर रही है। लेकिन फिर भी सुसाइड केस थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरकार चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, कोटा में पढ़ने वाले छात्र जब तक खुले मन से बिना किसी दबाव के पढाई करने लगेंगे तभी यहां का माहौल सुधरेगा। यहां चल रहे कोचिंग संस्थानों को मशीनी स्तर पर चलाई जा रही प्रतिस्पर्धा को रोक कर एक सकारात्मक वातावरण बनाना होगा। तभी कोटा में पढ़ने वाले छात्र खुद को सुरक्षित महसूस कर पढ़ाई कर पाएंगे। कोटा में संचालित कोचिंग संस्थान जब तक अपने काम को पैसे कमाने की मशीन समझना बंद कर अपने छात्रों के साथ संवेदनशील व्यवहार नहीं करेंगे तब तक कोटा के हालात नहीं सुधरेंगे।–(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

मतदाताओं पर बढ़ती जिम्मेदारी

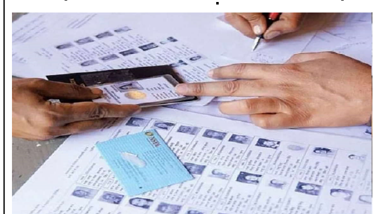

–वकील अहमद–

लोकसभा के चुनाव ज्यों–ज्यों नजदीक आ रहे हैं राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ती जा रही हैं। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी किसी भी कीमत पर सत्ता से अलग होने के मूड में नहीं है। इसके लिए साम–दाम–दंड–भेद की रणनीति अपनाई जा रही है। सरकारी एजेंसी प्रवर्त्तन निदेशालय हो या सी.बी.आई. , इन पर काम का बोझ बेतहाशा बढ़ गया है। मुझे लगता है कि इन विभागों में शायद कर्मचारियों का टोटा है, इसीलिए विपक्ष के पीछे तो इन्हें लगा दिया लेकिन अपने भ्रष्ट लोगों को पकड़ने के लिए इन विभागों में कर्मचारी कम पड़ गए हैं। इसके अलावा सत्ताधारी दल ने न्यूज चौनलों को अपना प्रचार तंत्र बना लिया है।

जाने क्यों इनके किसी के लिए हमेशा के लिए बंद दरवाजे बहुत जल्दी खुल गए। जी हां नीतीश कुमार, जिन्होंने अपने लिए चलन में रहे पलटूराम, पेट में दांत इन सब शब्दों को अपने काम से हल्का कर दिया है। इनके लिए मैं समझता हूं कि कोई नया शब्द ईजाद करना होगा। खैर कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि सत्ताधारी पार्टी पूरी तरह से आश्वस्त होते हुए भी आक्रामक प्रचार में जुट गई है। संघ के कार्यकर्त्ता लोगों का मूड भांपने के लिए गली–मोहल्लों और चाय की दुकानों पर घूम रहे हैं। मेरी भी ऐसे कुछ कार्यकर्त्ताओं से मुलाकात हुई। वे पहले यू.पी. को अपराधमुक्त करने की मिसाल देते हैं और फिर राम मंदिर के मामले में सहानुभूति के लिए उतर आते हैं।

खैर भारतीय जनता पार्टी अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए लोगों के बीच आज भी विपक्ष पर ही आक्रामक नजर आती है। विशेष रूप से भाजपा के नेता अपनी कमियों को ढकने के लिए कांग्रेस के सत्ता के समय का रोना रोते हैं। अब विपक्ष की तैयारी को अगर देखा जाए तो कहीं भी कुछ नजर नहीं आता। पहले राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा कर चुके हैं और अब न्याय यात्रा पर निकले हैं। पहली यात्रा से कांग्रेस को कुछ हासिल नहीं हुआ तो अब जब विपक्ष की अन्य पाष्टयां 'इंडिया' गठबंधन के तले इकट्ठी हुई हैं, उन्हें जोड़े रखने, सीट शेयरिंग आदि पर जल्द फैसला करने की बजाय कांग्रेस न्याय यात्रा पर फोकस कर रही है।

'इंडिया' गठबंधन का सबसे बड़ा दल होने के नाते कांग्रेस की जिम्मेदारी थी इस गठबंधन को जोड़े रखने और जनता के सामने एक मजबूत विकल्प रखने की। इसमें कांग्रेस अभी तक सफल होती नजर नहीं आ रही है। हो सकता है कि नीतीश कुमार को भी यह बेरुखी अच्छी न लगी हो, आखिर इस गठबंधन के सूत्रधार तो वही रहे हैं। आम आदमी पार्टी दिल्ली, पंजाब में कांग्रेस को आंख दिखा रही है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी कांग्रेस को भाव नहीं दे रहीं। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सत्ताहीन है।

समझ नहीं आता कि किस प्रकार कांग्रेस मोदी की भाजपा का मुकाबला करेगी। शायद उसके नेताओं को अभी भी यही लगता है कि नरेंद्र मोदी सरकार को जनता सत्तारोधी रुझान के चलते बेदखल कर देगी। मोदी सत्ता में रहते हुए 10 साल बाद आज भी जनता के सामने कांग्रेस की पिछली सरकारों को इस तरह याद करते हैं, जैसे वह गुलामी के शासन से भी बदतर हों और अपनी वाकपटुता से वह लोगों के दिलों में यह बात उतार देते हैं।

शायद कांग्रेस पार्टी को भी इसी प्रकार आक्रामक राजनीति और कुशल वाकपटुता के साथ ही जनता के बीच उतरना होगा। किसी चमत्कार के भरोसे काम चलने वाला नहीं है क्योंकि अब तक कांग्रेस ने मोदी के विरुद्ध नारा दिया 'चौकीदार चोर है' तो मोदी ने जनता के बीच जाकर कहा 'मैं भी चौकीदार' हूं। कांग्रेस ने राज्यों के चुनावों में तरह–तरह की गारंटी दी। मोदी फिल्मी अंदाज में जनता के बीच बोले यह 'मोदी की गारंटी' है और कांग्रेस की गारंटी खत्म कर दी।

खैर, यह तो सच है कि इस समय जनता को वाकपटुता और चतुराई से मूर्ख बनाया जा रहा है। विपक्ष को दबाने में सभी प्रकार के अच्छे–बुरे काम किए जा रहे हैं लेकिन इन परिस्थितियों में हमारा कर्त्तव्य बनता है कि एक सजग और जागरूक नागरिक की तरह हमें बहुत से मामलों पर सोच–समझ के साथ अपना मत देना होगा। वे लोग अभी से बिसात बिछा रहे हैं, तो हमें भी अपने और बच्चों के भविष्य को लेकर बिना किसी सहानुभूति के बहुत ही सोच–समझ कर उन लोगों को चुनना होगा, जो धर्म–जातियों को एकजुट रखकर सभी को संतुष्टि दें। किसानों, कामगारों, व्यापारियों के चेहरे पर तनाव न देकर खुशी दें।

जानलेवा हमले में तीन सगे भाइयों को दस वर्ष की कैद

संवाददाता—गोण्डा। अपर जिला जज पूजा सिंह ने जानलेवा हमला करने के जुर्म में तीन सगे भाइयों को दस वर्ष की कैद व अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता विनय कुमार सिंह के अनुसार थाना वजीरगंज के अन्तर्गत ग्राम सोहना निवासी उमेश दत्त सिंह ने गांव के ही राज कुमार उर्फ कालू , शिव कुमार उर्फ ननकून तथा कृष्ण कुमार उर्फ राम प्रसाद पुत्रगण राम संवारे के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके मुताबिक 18 फरवरी 2004 को वह अपने घर जा रहा था। रास्ते में वासुदेव के घर के पास सभी अभियुक्तों ने उसके ऊपर जानलेवा हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर प्रकरण की विवेचना के बाद आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियोजन व बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की बहस व दलीलों को सुना तथा पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों का गहन अवलोकन करने के पश्चात आरोपित अभियुक्तों को जानलेवा हमला करने का दोषी ठहराया। कोर्ट ने तीनों को दस दस वर्ष की कैद व 27—27 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

तीन दिवसीय शरद मेले में समूहों के उत्पाद का प्रदर्शन

संवाददाता—श्रावस्ती। नाबार्ड के सहयोग ने श्रावस्ती ग्रामोद्योग सेवा संस्थान की ओर से विकास भवन के पास मैदान में तीन दिवसीय शरद मेले का आयोजन किया गया है। बुधवार को मेले का शुभारंभ सीडीओ अनुभव सिंह ने किया। शरद मेले में स्वयं सहायता समूहों की ओर से बनाए गए सामानों का प्रदर्शन किया जा रहा है। शरद मेले का आयोजन 14 फरवरी से 16 फरवरी तक किया जा रहा है। सीडीओ के साथ ही अपर जिलाधिकारी राम दत्त राम और जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड कैलाश जोशी,श्रावस्ती ग्रामोद्योग सेवा संस्थान मुख्य कार्यकारी विजय कुमार राव, जिला अग्रणी प्रबंधक इंडियन बैंक सुभाष चंद्र मित्रा आर्यावर्त बैंक श्रावस्ती के क्षेत्रीय प्रबंधक विनोद तिवारी, आर्यावर्त बैंक क्षेत्रीय प्रबंधक जनपद बहराइच ओम प्रकाश गुप्ता,आरसेटी डायरेक्टर इंडियन बैंक संदीप यादव, राजिव कुमार डीसी एनआरएलएम मौजूद रहे।

विशेषज्ञों की टीम ने परखी अस्पतालों की व्यवस्था

संवाददाता—बलरामपुर। बिल गेट्स फाउंडेशन के दौरे के पूर्व बुधवार को केन्द्र व राज्य सरकार के विशेषज्ञों की टीम जिला महिला अस्पताल व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र श्रीदत्तगंज में पहुंची। टीम में शामिल विशेषज्ञों ने अस्पताल के व्यवस्थाओं की पड़ताल की। साथ ही यह निर्देश दिया कि ओटी व लेबर रूम में बेहतर व्यवस्था करने के साथ—साथ साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। टीम ने अभिलेखों का निरीक्षण कर डाटा का सत्यापन किया।

यूपी टेक्निकल सपोर्ट यूनिट(टीएसयू) व हास्पिटल मैनेजमेंट इनफारमेशन सिस्टम को जानने के लिए मानीटरिंग एण्ड इवैल्यूशन यूनिट की टीम बुधवार को सबसे पहले दोपहर में जिला महिला अस्पताल पहुंची। टीएसयू के डायरेक्टर डॉ. संजीव, डिप्टी डायरेटर डॉ. प्रशांत व नर्स मेंटर की राज्य विशेषज्ञ डॉ. रेनू के साथ मानीटरिंग एण्ड इवैल्यूशन यूनिट के टीम लीडर आनंद भूषण व राज्य विशेषज्ञ डॉ. प्रहलाद ने जिला महिला अस्पताल पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। टीम ने ओटी, लेबर रूम व दवा भंडार कक्ष का निरीक्षण किया। टीम में शामिल विशेषज्ञों ने कहा कि ओटी व लेबर रूम सहित पूरे अस्पताल में साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। लेबर रूम का दरवाजा खुला नहीं रहना चाहिए। डाटा वैलीडेशन टीम के सदस्यों ने अस्पताल में होने वाली ओपीडी, आईपीडी के साथ—साथ संस्थागत एवं सिजेरियन प्रसव के बारे में जानकारी अस्पताल की सीएमएस से जानकारी ली। विशेषज्ञों ने अभिलेखों का निरीक्षण कर आईयूसीडी प्रतिशत, परिवार नियोजन के संसाधनों की उपयोगिता तथा महिला व पुरुष नसबंदी के आंकड़ों का सत्यापन किया। टीम में शामिल विशेषज्ञों ने अस्पताल प्रशासन से दो टूक कहा कि डाटा फीडिंग में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए। साथ ही साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। टीम के सदस्यों ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया कि वार्ड में प्रसूता के साथ सिर्फ एक तीमारदार को रहने की अनुमति दी जाए। इसके लिए मुख्य चिकित्साधीक्षक डॉ. सुमनदत्त गौतम को आवश्यक निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सीएमएस डॉ. सुमनदत्त गौतम, जिला विशेषज्ञ डॉ. नेहा व अस्पताल क्वालिटी प्रबंधक वसीम अहमद सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

शिक्षक समस्याओं को लेकर ब्लाक अध्यक्ष ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता—बलरामपुर। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई शिवपुरा ने बुधवार को खंड शिक्षा अधिकारी से मुलाकात कर शिक्षक समस्याओं का ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में अध्यापकों की समस्याओं को अवगत कराते हुए निवारण करने की मांग की है।

शिवपुरा के ब्लॉक अध्यक्ष सत्य प्रकाश पाठक की अगुवाई में शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल बीईओ सियाराम से मुलाकात कर पांच सूत्री शिक्षक समस्याओं का ज्ञापन सौंपा है जिसमें मुख्य रूप से रसोइयों का बकाया मानदेय दिलाने के साथ ही प्रत्येक माह नियमित पारिश्रमिक भुगतान किए जने, अन्य स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को उनके मूल विद्यालय में वापस भेजे जाने तथा एमडीएम कन्वर्जन कास्ट शीघ्र भुगतान कराए जाने आदि मांग शामिल है। ज्ञापन देने के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष सत्य प्रकाश पाठक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामसेवक, कोषाध्यक्ष बृजराज राणा, संयुक्त मंत्री आशुतोष मिश्रा, उपाध्यक्ष अनुराग तिवारी, ओमप्रकाश वर्मा, तेज पुंज त्रिपाठी, महिला उपाध्यक्ष सुनीता ओझा, संगठन मंत्री प्रशांत कुमार, रामनाथ, हीरालाल, संगठन मंत्री महिला अंशु वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। खंड शिक्षा अधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा।

पुलवामा की पांचवीं बरसी पर शहीद विजय मौर्य को पैतृक गांव में दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता—देवरिया। पुलवामा हमले में शहीद हुए देवरिया जनपद के छपिया जयदेव निवासी विजय मौर्य को बुधवार को पांचवीं बरसी पर उनके पैतृक गाँव में सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच श्रद्धांजलि दी गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सुरेन्द्र चौरसिया, विजय मौर्य के पिता रमायन मौर्य, पत्नी विजय लक्ष्मी, बेटी आराध्या, भाई अशोक मौर्य आदि ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर इसकी शुरुआत की।

लोकगीत गायक सुनील सनेही नें देश भक्ति गीतों से शहीदों को श्रद्धांजलि दी। गांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय की छात्राओं ने भी देशभक्ति गीत तथा शहीदों को समर्पित नृत्य प्रस्तुत किये। देर शाम तक पार्क में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन चलता रहा। कलाकार श्वेता कुशवाहा ने रंगोली बनाकर अपने गाँव के लाल को श्रद्धांजलि दी। शाम को भी शहीदों के नाम पर दीपक जलाया जायेगा। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि कैलाश यादव, गीता मौर्या, ताहिर अहमद, निर्मला कुशवाहा, जितेंद्र सिंह, बाल्मीकि मौर्य आदि उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बच्चों ने मोहा मन

संवाददाता—गोण्डा। क्षेत्र के रींवा गांव स्थित जंग बहादुर लाल बनवारी लाल स्मारक इंटर कालेज वार्षिकोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ बुधवार को मनाया गया। श्बसंत उत्सवश शीर्षक से आयोजित समारोह की शुरुआत पूर्व मंत्री रमापति शास्त्री और चेयरमैन डॉ. सत्येन्द्र सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। अतिथियों का स्वागत प्रबन्धक सुरेंद्र प्रताप श्रीवास्तव और प्रधानाचार्य पुनीत श्रीवास्तव ने पुष्प गुच्छ देकर किया। सांस्कृतिक प्रस्तुति से पूर्व अतिथियों ने स्कूल संस्थापक की मूर्ति पर माल्यार्पण किया।

विद्यालय में सुंदरकांड के पाठ के समापन और नादान के भजनों के पश्चात छात्र—छात्राओं के वाणी वंदना और स्वागत गीत से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। बच्चों की ओर से वृद्धा आश्रम और बागवां के गीत पर प्रस्तुत नाटक की दर्शकों ने खूब सराहना की। इसके अलावा छात्राओं की ओर से प्रस्तुत बसन्त और होली के गीतों पर समूह नृत्य की प्रस्तुति देखकर लोग तालियां बजाने पर मजबूर हो गए।

बसंत पंचमी पर स्कूलों में हुई मां सरस्वती की पूजा

संवाददाता—श्रावस्ती। बसंत पंचमी पर स्कूलों में मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। साथ ही अभिभावकों का सम्मेलन करके बच्चों की पढ़ाई पर जोर देने की अपील की गई। इसके साथ ही बच्चों का विद्यारंभ संस्कार कराया गया। कृष्ण लली सरस्वती शिशु मंदिर गिलौला में बसंत पंचमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। मां सरस्वती का पूजन करके हवन पूजन किया गया। इसके साथ ही 100 बच्चों का विद्यारंभ संस्कार कराया गया। बच्चों को रोली अक्षत लगाकर और मिठाई खिला कर पुस्तक भेंट किया गया। इसके साथ ही बच्चों की माताओं का सम्मेलन करके बच्चों को पढ़ाई का अच्छा माहौल देने की अपील की गई। इसी तरह से श्रीराम अर्जुन प्रसाद बाल शिक्षा निकेतन आजाद नगर घोरमा परसिया में बसंत पंचमी का त्योहार मनाया गया। मां सरस्वती की पूजा की गई। इसके साथ ही बच्चों को भोजन कराया गया। कटरा क्षेत्र में बुधवार को धूमधाम से बसंत पंचमी का त्योहार मनाया गया। इस मौके पर मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। चौधरी सतीश चंद्र सरस्वती शिशु मंदिर में विद्या की देवी मां सरस्वती की विशेष रूप से पूजा आराधना की गई। विद्यालय के सभी आचार्यों ने बैठकर सामूहिक रूप से हवन यज्ञ किया। इस दौरान स्कूली बच्चों में सरस्वती पूजा को लेकर खासा उत्साह देखा गया। छात्र—छात्राओं ने मां शारदे की प्रतिमा के समक्ष बैठ कर पूजा अर्चना की और विद्या की देवी मां सरस्वती से ज्ञान और विज्ञान का आशीर्वाद मांगा। इसके बाद छात्राओं ने अनेक प्रकार से आकर्षक झांकी एवं लोकगीत का नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस विशेष दिन पर कटरा में कई स्थानों पर गृह प्रवेश, विदाई समारोह, मुंडन संस्कार,नए व्यापार के लिए नए प्रतिष्ठानों का शुभारंभ किया गया। वहीं इस मौके पर कई सरकारी और गैर सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में बसंत पंचमी के उपलक्ष में विशेष पूजा अर्चना करके उत्सव समारोह का आयोजन किया गया। इकौना के बेचूबाबा में मेले का आयोजन किया गया। लोगों ने मंदिर में बच्चों का मुंडन संस्कार कराया गया।

दूसरों को फंसाने के लिए रची थी फर्जी लूट की घटना

संवाददाता—श्रावस्ती। पहले से चले जा रहे मुकदमे में सुलह का दबाव बनाने के लिए कुछ लोगों ने फर्जी तरीके से लूट की घटना रच डाली। एक व्यक्ति को फंसाने के लिए लूट का मामला भी दर्ज करा दिया। पुलिस की जांच में सच सामने आ गया और लूट का मुकदमा लिखाने वाले तथा कूटरचित घटना बनाने वाले चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विशाल मिश्रा, जनपद मथुरा व नवल किशोर शर्मा, जनपद पीलीभीत ने मंगलवार को कोतवाली भिनगा में तहरीर देकर बताया था कि भिनगा जंगल में उनके साथ दो लाख रुपए की लूट की गई है। बताया गया कि दोनों लोग कार से विभूतिनाथ जा रहे थे। जंगल में एक बाइक सवार तीन लोगों ने मारपीट कर बैग में रखे दो लाख रुपए लूट लिये। इस मामले की जानकारी पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों को भी दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच पड़ताल की। इस मामले में सर्विलांस टीम की भी मदद ली गई। इस पर पुलिस ने लूट की घटना को सिरे से खारिज कर दिया और फर्जी तरीके से लूट की घटना को बनाने वाले चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। थाना कोतवाली भिनगा पुलिस टीम ने मुकदमा वादी विशाल मिश्रा तथा उसके साथी नवल किशोर शर्मा की ओर से बताई जानकारी के आधार पर घटना से संबन्धित जानकारी में भिन्नता पायी गयी। शक के आधार पर गहराई से पूछताछ की गयी तथा सर्विलांस से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह बात जानकारी में आयी कि मुकदमा लिखाने वाले विशाल मिश्रा के एक मित्र अनुभव पाठक पुत्र रामसेवक पाठक व उसके भाई ज्ञानेन्द्र पाठक पुत्र रामसेवक निवासी भंगहा बाजार थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती तथा उनके ही गांव के अनिल कुमार सोनी से रंजिश चल रही है। अनुभव पाठक के कहने पर इन लोगों ने मनगढ़न्त कहानी बनायी थी। घटना में शामिल दिखायी गयी मोटरसाइकिल अनिल कुमार सोनी की है। अनुभव पाठक व ज्ञानेन्द्र पाठक के कहने पर अनिल कुमार सोनी तथा उसके परिवार को फंसाने के लिये तथा दो लाख रुपये लूट की झूठी घटना बनायी थी।

तराई में एनपीसीआई में अटकी 5135 बुजुर्गों के पेंशन की इमदाद

संवाददाता—बहराइच। वित्तीय वर्ष में वृद्धावस्था पेंशन के लिए पात्र बुजुर्गों की पेंशन भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम की कार्रवाई पूरा न होने की वजह से अटक गई है। ऐसे करीब 5000 से अधिक पात्र पेंशनधारक हैं, जिनका एनपीसीआई खातों से लिंक न होने से पेंशन की इमदाद खातों में पहुंच नहीं रही है। जल्द ही इन बुजुर्गों को अंगूठा या फिर आंख से खातों में लिंक कराना होगा। अन्यथा की दशा में पात्रता के बावजूद भी पेंशन से वंचित रहेंगे। वर्तमान में जिले में 1.09 लाख पेंशन धारक हैं, जिन्हें हर माह 1000 रुपये पेंशन पहुंच रही है, ताकि बुजुर्ग मासिक जरूरतों के लिए किसी के आगे हाथ न फैलाएं। बुढ़ापे में 1000 इमदाद के लिए बुजुर्ग पहले अभिलेखों को जुटाने में पसीना बहाते हैं, फिर पात्रता सिद्ध करने के लिए अधिकारियों की ड्योढ़ी नापते हैं। अब जब दोनों में पात्र हो चुके हैं, तो बैंकों की ओर से सिर्फ खातों से आधार लिंक की अधूरी औपचारिकता 5135 बुजुर्गों के पेंशन में रोड़ा बन गई है। एनपीसीआई की कार्रवाई पूरी न होने की वजह से समाज कल्याण विभाग की ओर से पेंशन खातों में अवमुक्त नहीं की जा पा रही है। इसी वजह से इन पेंशन धारकों को वित्तीय वर्ष में पेंशन की फूटी कौड़ी भी हासिल नहीं हो पाई है। विभाग की ओर से लगातार पात्र अभ्यर्थियों को बैंक में जाकर खातों से अंगूठा व आंख के माध्यम से एनपीसीआई की कार्रवाई पूरा करने के लिए सुझाव दिए जा रहे हैं, लेकिन बैंक अधिकारी काम की अधिकता बताकर पात्रों को टरका दे रहे हैं। अब समाज कल्याण विभाग की ओर से पात्र पेंशनधारकों को जल्द से जल्द एनपीसीआई कराने के निर्देश दिए हैं।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि पारदर्शिता को लेकर केंद्र सरकार की ओर से भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम की व्यवस्था लागू की है। खाता धारक अपने बैंकों में पहुंचकर इस कार्रवाई को पूरा कराएं, ताकि बेरोकटोक खातों में इमदाद की राशि पहुंचती रहे।

एनपीसीआई की औपचारिकता से बचने के लिए पेंशन धारक डाकखाने से खाता खुलवा सकते हैं। इन खातों में बिना रुकावट के पेंशन की धनराशि समय—समय पर पहुंचती रहेगी। विभाग का कहना है कि बैंकों के मनमानी की शिकायतें लाभार्थी कर रहे हैं। इन समस्याओं से बचने के लिए डाकखाने का खाता सबसे बेहतर विकल्प है।

पेंशनधारकों को एनीपीसीआई कराने के लिए बैंकों की ओर से समयावधि निर्धारित कर दी गई है। सुबह व दोपहर बैंक खाताधारकों के लेनदेन के लिए ग्राहकों की भारी भीड़ बैंकों में जमा रहती है। दोपहर दो से पांच बजे तक बुजुर्ग बैंकों में पहुंचकर कार्रवाई पूरा करा सकते हैं। रमाशंकर गुप्त, जिला समाज कल्याण अधिकारी ने कहा कि एनपीसीआई के बिना पेंशन की रकम का खातों में किसी भी दशा में भुगतान नहीं हो पाएगा। ऐसे लोगों की संख्या पांच हजार से अधिक है। इन्हें अपने बैंकों में जाकर अंगूठा या फिर आंख से लिंक करना अनिवार्य होगा।

अभियान चलाकर महिलाओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

संवाददाता—बलरामपुर। मिशन शक्ति अभियान के चौथे चरण में बुधवार को महिला सशक्तिकरण जागरूकता अभियान चलाया गया। शक्ति दीदी अभियान में लोगों को कानून की जानकारी दी गयी। एसपी केशव कुमार ने बताया कि विभिन्न स्थानों पर शक्ति दीदी महिला बीट अधिकारियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को अपराध से बचाव के तरीके बताये। थाना क्षेत्रों में ग्राम चौपाल का लगाया जा रहा है। महिलाओं को विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नम्बरों, संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, महिला हेल्प डेस्क व पम्पलेट वितरित करके कानून की जानकारी दी गई। क्षेत्राधिकारी बृजनंद राय ने कहा कि हेल्पलाइन नंबर जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चिकित्सीय सहायता 108, पुलिस कंट्रोल नंबर 112 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी रखे। साइबर अपराधों से बचाव के लिए ओटीपी शेयर न करें। लकी ड्रा फ्रॉड, कॉल स्मॉर्ट एडिटेड वीडियो तथा बैंकिंग फ्रॉड आदि से भी बचे।

नामधारी सिख सतगुरू राम सिंह को भगवान रामचंद्र का अवतार मानते हैं —सतगुरु दलीप सिंह

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या।नामधारी पंथ के संस्थापक, स्वतंत्रता संग्राम के आरंभक, महान क्रांतिकारी सतगुरु राम सिंह का प्रकाशोत्सव, नामधारी संगत ने अयोध्या में शोभा यात्रा निकाल कर राम मंदिर में दर्शन करके मनाया। क्योंकि, नामधारी सिख, सतगुरु राम सिंह जी को भगवान रामचन्द्र का ही रूप मानते हैं और भगवान के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में मीना से उधारी समाज के लोग श्री धाम अयोध्या के श्री संकट मोचन हनुमान किला मंदिर में अन्य क्षेत्र का संचालन कर रहे है और इस अवसर पर सतगुरु राम सिंह के वंशज, वर्तमान नामधारी मुखी, सतगुरु दलीप सिंह ने संदेश के माध्यम से, गुरुवाणी के प्रमाण दे कर भगवान रामचंद्र जी तथा सिख गुरु साहिबान को एक ही रूप सिद्ध किया: 'त्रेते सतिगुर राम जी रारा राम जपे सुख पावै' 'तिन बेदीयन की कुल बिखै प्रगटे नानक राएरू इत्यादि पंक्तियों के आधार पर भगवान रामचंद्र जी हमारे सतगुरुश तथा सिख गुरु साहिबान के पूर्वज हैं। वर्तमान नामधारी सतगुरु ने बताया कि सतगुरु राम सिंह का आदेश है ष्सभी को विद्या दान दीजिए। क्योंकि, विद्या दान सर्वोत्तम दान हैष्। इस कारण, उन्होनें सभी से विनती की ष्सभी भारतीय प्रतिदिन आधे घंटे के लिए अपने अनपढ़ भाई, बहनों, बच्चों को पढ़ाना आरंभ कीजिए। ऐसा करने से, दो वर्ष में ही पूरा भारत वर्ष साक्षर हो जाएगा।

हरदीप सिंह 'राजा' ने बताया कि सतगुरु राम सिंह जी ने 1857 की वैसाखी पर खालसा पंथ की पुनर्स्थापना करके, सतगुरु गोबिन्द सिंह जी की शिक्षा दे करय देश तथा धर्म की रक्षा की भावना को दृढ़ करवाया। गुरु जी ने 1857 के गदर से पहले नामधारी सिख संप्रदाय (कूका आंदोलन) की नींव रखी। गुरु जी ने सर्वप्रथम अंग्रेजी वस्तुओं का बहिष्कार किया, जिस की 50 साल बाद गांधी जी ने नकल की। सतगुरु राम सिंह जी ने अंग्रेजी सरकार के समानांतर अपनी सरकार बनाई। नेपाल और कश्मीर में श्कूका रेजीमेंटश बना कर अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध की तैयारी की। अंग्रेजों को भारत से निकालने के लिए रूस के साथ संबंध स्थापित किए। गुरू जी की प्रेरणा से हजारों नामधारी सिखों ने देश की स्वतंत्रता हेतु महान बलिदान दिए।

उन्होंने बताया कि सतगुरु राम सिंह जी ने सर्वप्रथम ऐसे सामाजिक—धार्मिक कार्य आरंभ किये, जो पूरे विश्व में पहले किसी ने भी नहीं किए थे। जैसे विवाह के लिए न्यूनतम 18 वर्ष की आयु निर्धारित करके बाल विवाह बंद किए। स्त्रियों के सुख, सत्कार तथा सुरक्षा के लिए विधवा विवाह करवाना आवश्यक किया। सिख पंथ में पहली बार, जून 1863 को स्त्रियों को अमृत पान करवाया और आनंद कारज की मर्यादा आरंभ की। सादे—सस्ते बिना किसी खर्च के, अन्तर्जातीय विवाह आरंभ करवाए। दहेज लेना—देना सख्ती से मना किया। लड़कियां बेचना, लड़कियां मारना सख्ती से बंद किया। माता हुकमी जी को सूबा ,गवर्नर की पदवी दे करय स्त्री जाति को समाज में उच्च स्थान दिया।वर्णन योग हैरू सिख जगत में से पूर्ण रूप से केवल नामधारी संप्रदाय सतिगुरु दलीप सिंह जी के नेतृत्व वाला गुट ही खुलकर राम मंदिर के समर्थन में आया है। सतगुरु दलीप सिंह जी बहुत वर्षों से प्रत्येक स्थान पर अपने भाषणों तथा वीडियो संदेश के माध्यम से खुल कर राम मंदिर का समर्थन कर रहे हैं। नामधारी सिख पिछले कई वर्षों से जन्म स्थान अयोध्या में आ कर ही रामनवमी मना रहे हैं। राम मंदिर उद्घघाटन के उपलक्ष्य में नामधारी सिखों ने अयोध्या में पिछले एक महीने से लंगर लगाया हुआ है और आगे भी लंगर चलता रहेगा।शोभा यात्रा दौरान पूज्य बिहारी दास जी, श्री महंत परशुराम दास जी एवं अन्य हिन्दू संतजन विशेष रूप से शामिल हुए तथा इन संतजनों ने भी सतगुरु राम सिंह जी की शोभा में कीर्तन किया। इस मौके पर सूबा अमरीक सिंह, सूबा रतन सिंह, मुख्तियार सिंह यू पी, जसवीर सिंह, रतनदीप सिंह, सुखराज सिंह, सिमरनजीत कौर, राजपाल कौर, शिखा सोनी, अंजली जैसवाल, बलविंदर कौर, दलजीत कौर, परमजीत कौर, नीना कौर आदि भी उपस्थित थे।

बालक को तेंदुए के जबडे से खींच लाई मां, घायल

संवाददाता—बहराइच। सुजौली रेंज के अयोध्यापुरवा में मंगलवार की रात करीब साढ़े 10 बजे घात लगाए तेंदुए ने दरवाजा खोलकर बरामद में पहुंची महिला के गोद से चार वर्षीय बालक को खींच लिया। जबड़े में बेटे को जकड़े होने के बावजूद मां उसे छुड़ाने के लिए तेंदुए से भिड़ गई। शोर सुनकर अन्य परिजन दौड़ पड़े। जिससे तेंदुआ बच्चे को छोड़कर भाग गया। जिला अस्पताल में घायल बालक का इलाज चल रहा है। वन टीम कांबिंग कर रही है। हमले से डरे ग्रामीण पिंजरा लगाने की मांग कर रहे हैं।

अयोध्या पुरवा गांव कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के सुजौली रेंज से लगा हुआ है। आए दिन इस गांव में तेंदुआ दस्तक दे रहा है। कई पालतू मवेशियों को भी निवाला बना चुका है। मंगलवार की देर रात गांव की रात लगभग साढ़े दस बजे चार वर्षीय अयान पुत्र इश्तियाक अली को उसकी मां गोद में लेकर दरवाजा खोलकर घर के बरामदे में जैसे ही निकली। वैसे ही तेंदुए ने अचानक गोद में लिए बालक को झपट्टा मार कर पकड़ लिया। बालक को छुड़ाने के प्रयास में मां तेंदुए से भिड़ गई। मां के शोर पर परिजन व पड़ोस के लोग भी लाठी—डंडे लेकर पहुंच गए। जिससे तेंदुआ बालक को छोड़ खेतों की तरफ चला गया। घटना की सूचना परिजनों ने वन विभाग को दी। चेहरे व गर्दन पर घाव होने से बालक की हालत बिगड़ती देख बिना देर किए परिजन उसे लेकर सीएचसी मोतीपुर गए। अधिक रक्तस्राव होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। तेंदुए के हमले से ग्रामीण बच्चों की सुरक्षा को लेकर लोग डरे हुए हैं। हालांकि वन विभाग की टीम को कांबिंग के लिए लगाया गया है। ग्रामीण पिंजड़ा लगाने की मांग कर रहे हैं। विभाग का कहना है कि कांबिंग के आधार पर पिंजड़ा लगाया जाएगा। एसडीओ रमेश कुमार ने बताया कि जिला अस्पताल पहुंचकर घायल बालिका का हाल जाना गया। उसकी हालत में तेजी से सुधार हो रहा है। परिजनों को 5000 रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। कहा कि पीड़ित परिवार को हर संभव मदद मुहैय्या कराई जाएगी। बी, शिवशंकर, डीएफओ ने कहा कि सुजौली रेंज के अयोध्यापुरवा में तेंदुए के हमले में बालक घायल हुआ है। घायल की हालत में सुधार हो रहा है। प्रभावित गांव में 24 घंटे टीम कांबिंग कर रही है।

सरकार की वेबसाइट पर करें आवेदन मिलेगा प्रशिक्षण

संवाददाता—श्रावस्ती। शिशिक्षुता प्रशिक्षण योजना के तहत इच्छुक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण देने की योजना बनाई गई है। इस योजना के तहत उद्योगों और औद्योगिक इकाईयों के माध्यम से प्रशिक्षण देना है। आईटीआई के नोडल प्रधानाचार्य भिनगा नथुनी प्रसाद प्रजापति ने बताया कि मुख्य उद्योगों व अधिष्ठानों में चयनित अभ्यर्थियों का ऑनलाइन कान्ट्रेक्ट जारी कराना है। इसलिए ऐसे उद्योग एवं अधिष्ठान जिनके यहां कार्यरत कर्मचारियों की संख्या 29 से अधिक है। वे सभी अपने कर्मियों को प्रशिक्षण दिला सकते हैं। तथा जिनके कार्मिकों की संख्या 04 से 29 के बीच है, वे अपनी इच्छानुसार प्रशिक्षण के लिए आवेदन करा सकते हैं। ऐसी इकाईयों को अप्रेंटिसशिप पोर्टल पर अपना पंजीकरण अधिष्ठान के रूप में करना होगा। इसके तहत अधिष्ठानों की ओर से देय निर्धारित मानदेय न्यूनतम 7000 रुपये प्रतिमाह भुगतान में से 1500 रुपये प्रति अभ्यर्थी प्रतिमाह का भुगतान केन्द्र सरकार और 1000 रुपये प्रति अभ्यर्थी प्रति माह का भुगतान राज्य सरकार की ओर से अधिष्ठानों के बैंक खाते में किया जाएगा।

दो बाइकों की टक्कर में दो लोग घायल

संवाददाता—श्रावस्ती। वीरपुर परशुरामपुर मार्ग पर लखनऊवा फॉर्म के निकट दो बाइकों की टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक बाइक सवार मौके से फरार हो गया। दोनों घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। थाना इकौना ग्राम मोहम्मदपुर राजा निवासी राजेश पुत्र रजऊ उर्फ राजाराम 32 वर्ष व नवीन मॉडर्न थाना श्रावस्ती ग्राम कटरा खरगूपुर निवासी नकछेद पुत्र कंधई 35 वर्ष एक बाइक से बुधवार को जनपद गोंडा थाना खरगूपुर ग्राम इनछापुरवा में बरही कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। वीरपुर खरगूपुर मार्ग पर लखनऊवा फॉर्म के निकट विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार में आमने—सामने से टक्कर हो गई जिससे बाइक सवार राजेश व नकछेद घायल हो गए जबकि दूसरा बाइक सवार मौके से भाग गया। दोनों घायल राजेश कुमार व नकछेद को एंबुलेंस से सीचसी इकौना में भर्ती कराया गया। चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद राजेश कुमार की हालत गंभीर देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। खरगूपुर कटरा निवासी नकछेद का प्राथमिक उपचार किया जा रहा है।

युवक ने जहरीला पदार्थ खाया, हालत खराब

संवाददाता—श्रावस्ती। थाना इकौना मोहल्ला तिलक नगर निवासी बबलू का 22 वर्षीय पुत्र राजा बाबू मंगलवार शाम को अपने घर देर से पहुंचा था। इस पर माता—पिता ने डांटा था। इससे परेशान होकर राजा बाबू ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जिसके कारण युवक की हालत बिगड़नी शुरू हो गई। परिवार के लोगों ने आनन—फानन में युवक राजा बाबू को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया।

शक्ति वंदन अभियान में महिलाओं को सम्मानित किया

संवाददाता—श्रावस्ती। शक्ति वंदन अभियान के तहत भाजपा विधानसभा वार शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन कर रही है। संयोजक दिवाकर शुक्ला की अध्यक्षता में भिनगा विधानसभा में शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शक्ति सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी शिव नायक वर्मा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सदस्य विधान परिषद साकेत मिश्रा मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी की ओर से एनजीओ एवं स्वयं सहायता समूह सहित कामगार महिलाओ के सम्मान के लिए शक्ति वंदन अभियान की शुरुआत की गयी थी। बुधवार को भिनगा विधानसभा स्थित एएनएम प्रशिक्षण सेंटर भिनगा में भिनगा विधानसभा में निवास करने वाली एनजीओ, स्वतं सहायता समूह तथा अन्य क्षेत्रों में कार्य रही महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शक्ति सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला प्रभारी शिव नायक वर्मा ने कहा कि महिकाओं के विकास, उत्थान और आत्मनिर्भरता के लिए मोदी सरकार संकल्पबद्ध है। विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित सदस्य विधान परिषद साकेत मिश्रा ने कहा कि मोदी सरकार की हर योजनाओं में केंद्र बिंदु कहीं ना कहीं महिला ही होती है। इसके साथ महिलाओं को विशेष अधिकार देते हुए घरौनी महिलाओं के नाम, उज्ज्वला योजना महिलाओ के नाम, राशन कार्ड महिलाओं के नाम सहित राजनीतिक क्षेत्र में भी 33 प्रतिशत का आरक्षण देकर महिलाओ को सक्षम व सबल बनाने का कार्य किया जा रहा है। शक्ति सम्मान समारोह में एनजीओ एवं स्वतं सहायता समूह की महिलाओं ने भी मोदी सरकार की योजनाओं के लाभ बताते हुए कैसे उनसे लाभान्वित हो का विवरण बताया।

वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट का जरूर करें उपयोग

संवाददाता—श्रावस्ती। सड़क सुरक्षा माह का बुधवार को समापन किया गया। इस मौके पर स्कूलों में बच्चों को नाबालिग को वाहन न चलाने और नशे की हालत में वाहन न चलाने की जानकारी की गई। यातायात माह का समापन बुधवार को इकौना के सत्या द आर्यन स्कूल में किया गया। छात्रों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर समापन किया गया। इस दौरान यात्री मालकर अधिकारी महेश कुमार वर्मा ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नशे की हालत में वाहन कतई न चलायें। वाहन चलाते समय दोपहिया चालक हेलमेट जरूर लगाएं और चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट का प्रयोग हर हाल में करें। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात न करें और शराब पीकर वाहन न चलाएं। उन्होंने कहा कि छोटी छोटी जानकारी बहुत से वाहन चालकों की जान बचा सकती है और इससे दुर्घनाओं में कमी लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाओं का कारण गलत तरीके से वाहन चलाने के कारण होती हैं। इसलिए यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। इस दौरान विद्यालय के प्रबंधक तुषार सत्या ने कहा कि 18 वर्ष से कम उम्र के लोग वाहन कदापि न चलाएं। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा के नियमों को पालन जरूर करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान यातायात प्रभारी अमर दीप साहू,विद्यालय की प्राचार्या सहित सभी स्टाफ व छात्र मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने नव दंपतियों को दिये आशीर्वाद, बोले- बाल विवाह, दहेज और तलाक की कुप्रथा अमानवीय

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप डबल इंजन की सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सम्मान के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए सरकार अप्रैल से मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की धनराशि को प्रति लाभार्थी 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 25 हजार रुपये करने जा रही है। सीएम योगी बसंत पंचमी के पावन पर्व पर खाद कारखाना परिसर में एक हजार जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 252 करोड़ रुपये की लागत वाली 91 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर 2014 में पीएम मोदी ने बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान चलाया। बेटी बचेगी तभी पढ़कर आगे बढ़ेगी और योगदान देश व समाज के लिए दे पाएगी। एक बेटी कुल खानदान को आगे बढ़ाने का काम करती है। बेटियों को बचाने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए आज केंद्र और राज्य सरकार के स्तर पर कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में जब वह सीएम बने तो प्रदेश में यह समस्या आई कि बेटी को बचाने के लिए क्या और प्रयास करने चाहिए। इसके लिए पहला कार्यक्रम सुमंगला योजना का बनाया गया। इसमें बेटी के जन्म से लेकर स्नातक तक पढ़ाई की व्यवस्था की गई। इस योजना में सरकार अब तक 17 लाख से अधिक बेटियों को 15 हजार उपलब्ध करा चुकी है। अप्रैल से यह धनराशि बढ़कर 25 हजार हो जाएगी।

सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक तीन लाख से शादियां करा चुकी है। प्रति जोड़े विवाह पर 51 हजार रुपये खर्च किए जाते हैं। इसमें 35 हजार रुपये कन्या के खाते में भेजे जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह सुखद है कि गरीब के साथ संपन्न परिवारों के बच्चे सामूहिक विवाह के कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि एक सदगृहस्थ के लिए विवाह भी एक संस्कार है और उस संस्कार से वह पैतृक परंपरा को आगे बढ़ाने का कार्य करता है। सृष्टि की रचना, जीवन चक्र इसी से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि समय के अनुरूप विकृतियां भी आईं। कहीं बाल विवाह, दहेज तो कहीं तलाक जैसी कुप्रथाएं हैं। ये कुप्रथाएं आधी आबादी की विरोधी थीं। इनसे बचने के लिए बेटी हो ही न हो, इसके लिए तमाम कुत्सित प्रयास होने लगे। मुख्यमंत्री ने लोगों को संकल्प दिलाया कि बाल विवाह नहीं होने देना है। दहेज न लेना है, न देना है। तलाक जैसी कुप्रथाओं को सदैव के लिए समाप्त करना है। कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा। ये कुप्रथाएं अमानवीय हैं, आधी आबादी का अपमान और उन पर अत्याचार हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी के साथ सरकार खड़ी है। उन्हें हर संभव सहयोग करेगी, प्रोत्साहन देगी। उन्होंने बताया कि आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए महिला स्वयंसेवी समूह संचालित हैं। व्यवस्था दी गई है कि किसी गांव में राशन कोटे का विवाद होगा तो वहां की महिला स्वयंसेवी समूह व्यवस्था संचालित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 55 लाख गरीबों को पीएम आवास योजना से मकान दिए गए हैं, उनमें आधे से अधिक महिलाओं के नाम पर दिए गए हैं। पीएम स्वामित्व योजना में जिस जमीन पर मकान है, उसमें 90 लाख का मालिकाना हक महिलाओं के नाम पर दिया गया है। सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए पीएम मोदी के विजन को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि आज बुद्धि और विवेक की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती के पूजन का दिन है। उनकी कृपा से प्राप्त विवेक से सारे कार्य हो जाते हैं। जबकि माता सरस्वती कुपित होती हैं तो कुंभकर्ण को सिंहासन की बजाय निद्रासन मिल जाता है। उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी का पावन पर्व है। प्रकृति सौंदर्य के चरम की ओर अग्रसर है। इस मौके पर उन्होंने दाम्पत्य जीवन में प्रवेश कर रहे एक हजार जोड़ों को हृदय से बधाई देते हुए उनके मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि यदि किसी की व्यक्तिगत शादी होती तो व्यस्तता के कारण मैं शायद नहीं आ पाता। पर, आज आ गया हूं। यहां सबको रविकिशन जी का गाना सुनने को भी मिला।

सीएम योगी ने कहा कि सामूहिक विवाह के कार्यक्रम के साथ आज 252 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का उपहार भी मिल रहा है। इसमें सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बाढ़ बचाव, पेयजल के कार्य शामिल हैं। पेयजल की परियोजना से हर घर नल से शुद्ध जल मिलेगा। पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। शुद्ध जल से मनुष्य स्वस्थ्य होगा। बीमारियों से बचाव होगा और स्वास्थ्य पर खर्च बचेगा। मुख्यमंत्री ने सबको शुभकामनाएं देने के साथ ही कहा कि 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में रामलला अपने मंदिर में विराजमान हुए हैं। उनका आशीर्वाद भी सबको प्राप्त हो रहा है। समाज कल्याण विभाग की तरफ से आयोजित इस समारोह में एक हजार जोड़े विवाह के पावन बंधन में बंधे। नवयुगलों में हिन्दू, मुस्लिम दोनों शामिल रहे। सभी नव दम्पतियों को आशीर्वाद देते हुए मुख्यमंत्री ने उनके सुखमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने मंच से दस नवयुगलों को प्रमाण पत्र और उपहार–शगुन किट भेंट किया। प्रमाण पत्र देने के दौरान मुख्यमंत्री ने जोड़ों से आत्मीय संवाद भी किया।

सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि एक गरीब परिवार की सबसे बड़ी चिंता बिटिया के विवाह की होती है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम से सीएम योगी ने उनकी यह चिंता दूर कर दी है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी व भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानन्द राय, जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि भी उपस्थित रहे।

जैव उर्वरक से पैदावार में 20 फीसदी तक बढ़ोतरी संभव –कुलपति

संवाददाता–अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में सतत कृषि उत्पादकता में जैव उर्वरकों का उपयोग विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में हुआ। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि जैव उर्वरकों का प्रयोग करने से जड़ों एवं तनों का अधिक विकास होता है, जिससे पौधे में तेज हवा, अधिक वर्षा और सूखे की स्थिति की सहने की क्षमता बढ़ जाती है। जैव उर्वरकों के जीवाणु एंटीबायोटिक पदार्थों का भी निर्माण करते हैं, जिससे पौधों की रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ती है। फसल का बीमारियों से बचाव होता है। जैव उर्वरकों के प्रयोग से फसलों की लगभग 10 से 20 फीसदी तक पैदावार में भी बढ़ोतरी हो जाती है। कृषि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. प्रतिभा सिंह ने कहा कि जैव उर्वरकों के प्रयोग से अंकुरण शीघ्र और स्वस्थ होते हैं। जड़ों का विकास अधिक और शीघ्र होता है। भूमि की उर्वरा शक्ति में तेजी से बढ़ोत्तरी होती है। इससे कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है, बल्कि ये भौतिक एवं जैविक गुणों में सुधार कर उर्वरा शक्ति को बढ़ाते हैं। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के नोडल अधिकारी डॉ. सुबोध सचान ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से मिट्टी का जीवाश्म कार्बन कम होता जा रहा है। इसके प्रयोग से उत्पादन क्षमता में वृद्धि नहीं हो पाती है। कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से भी जुड़कर वैज्ञानिकों ने किसानों को शोध के नवीन तरीकों व जैव उर्वरक के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मृदा विज्ञान विभाग के डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. सुशील, डॉ रविन सिंह, डॉ आनंद सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया।

शाइन इंस्टिट्यूट के वार्षिक खेल उत्सव में विजेता पुरस्कृत

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। शाइन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस गांधीनगर बस्ती के वार्षिक खेल उत्सव का समापन बुधवार को विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करने के साथ सम्पन्न हुआ।

इसके पूर्व ध्वजारोहण और राष्ट्रगान से स्पोर्ट्स मीट का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अथिति प्रबंधक खैर इण्टर कालेज बब्बू खान एवं पूर्व प्रधानाचार्य वहीदुद्दीन मालिक ने छात्रों का उत्साह वर्धन किया।

खेल उत्सव में विभिन्न प्रकार के खेलों क्रिकेट, फुटबॉल, खो–खो,कबड्डी, बैडमिंटन,स्लो साइकल रेस,सौ मीटर दौड़, गर्ल्स और ब्वॉयज, चेस जूनियर वर्ग और सीनियर वर्ग का आयोजन हुआ। क्रिकेट में येलो हाउस विजेता रहे एवम उप विजेता ग्रीन हाउस रहे। लड़कियों के खो खो प्रतियोगिता में आकफिा की टीम विजई हुई एवम रनर टीम का खिताब इलहाम इरशाद की टीम को मिला। कबड्डी में जूनियर में स्वयम भारती सीनियर में अब्दुल्लाह रिजवान की टीम को विजेता और उप विजेता के तौर पर क्रमशः जैद और अरबाज की रही। सौ मीटर रेस गर्ल्स में यशरा को गोल्ड ,फलक फातिमा सिल्वर,महविश अफाक को ब्रांज मेडल प्राप्त हुआ। 100 मीटर ब्वॉयज में शमशेर , अभय गुप्ता ,मयंक सोनकर, को क्रमशः गोल्ड सिल्वर ब्रोंज मेडल मिला बॉयज सीनियर में अमरदीप चौहान ,यासीन उस्मान ,मुशाहिद अंसारी को मेडल मिला।

चेस जूनियर में अहमद अरसलान,और सीनियर में जुहेब,विजई रहे। फुटबॉल में अरबाज की टीम विजेता और सय्यद यासिर अरशद की उप विजेता रही। इस मौके पर चेयरमैन अयाज अहमद ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि खेलने से बच्चो में प्रतिस्पर्धा पैदा होती है एवं छात्रों के बीच आपस में एक अच्छा माहौल बनता है और उनका विकास होता है।

इस अवसर पर प्रिंसपल मो. आसिफ ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सहयोगी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डा. अजीज, आलम, अली अरशद, सैय्यद अनस, रफी अहमद, इमरान खान, विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस अवसर सरफराज अहमद बंटी सर, मो यासिर ,शाश्वत त्रिपाठी , दुर्गेश दुबे, मो इमरान, अनुष्का पाण्डेय, अरीशा, पंकज पाण्डेय, , राजेश , मिफ्फात के साथ ही अनेक खिलाड़ी, शिक्षक, छात्र और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

रामलला की आरती में रोज शामिल हो सकेंगे 400 भक्त, काउंटर से बनेंगे पास

संवाददाता–अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट रामलला के दर्शन के साथ ही उनकी आरती में भी अधिकाधिक श्रद्धालुओं को शामिल करने की योजना बना रहा है। इसका प्रारूप इस तरह बन रहा है, जिससे रामलला की आरती में स्वयं आनलाइन मोड से भक्तगण पास बना कर श्रद्धालु शामिल हो सकें। इसके प्रारूप पर अंतिम विमर्श चल रहा है। लगभग सहमति बन गई है। इसके अनुसार अलग–अलग आरती में शामिल होने वालों की संख्या कुल चार सौ तक हो सकती है। ये सभी नित्य होने वाली रामलला की पांच में से चार आरती में शामिल होंगे। प्रत्येक आरती में सौ–सौ लोग शामिल हो सकेंगे। अभी रामलला की मंगला व शयन आरती में ही श्रद्धालु शामिल हो पा रहे हैं। इसके लिए आनलाइन मोड तथा ट्रस्ट के अनुमोदन के बाद ही पास जारी हो रहा है। मंगला आरती में सौ व शयन आरती में भी सौ पास बनाए जाते हैं। शेष तीन आरती श्रृंगार, राजभोग व संध्या आरती में संध्या को छोड़ कर श्रृंगार व राजभोग आरती के लिए भी पास जारी करने की योजना है। सिर्फ संध्या आरती के लिए पास निर्गत नहीं किए जाएंगे। मंगला आरती रामलला के जागरण के समय सुबह साढ़े चार बजे, श्रृंगार आरती भगवान के श्रृंगार के समय साढ़े छह बजे होती है। राजभोग आरती दोपहर 12 बजे, संध्या आरती शाम साढ़े सात बजे और रात्रि दस बजे शयन आरती होती है। इस योजना को लागू करने के लिए साफ्टवेयर में परिवर्तन किया जाना है। इसमें नये सिरे से पास की संख्या, समय, स्लाट का अंकन होगा। ट्रस्ट से जुड़े एक पदाधिकारी ने बताया कि योजना बन रही है। प्रत्येक आरती के लिए बनने वाले सौ पास में से 20 आनलाइन बनाए जा सकेंगे। 30 बिड़ला मंदिर के सामने स्थित रामजन्मभूमि पथ के आरती पास काउंटर से बनेंगे। शेष ट्रस्टियों के अनुमोदन के बाद बन सकेंगे। ये पास भी काउंटर से प्राप्त किए जा सकेंगे।

ओपीडी को एक वर्ष पूरे 66 हजार को मिला इलाज

संवाददाता–गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय पिपरी में संचालित ओपीडी को एक वर्ष पूरे हो गए। ओपीडी में होमियोपैथ, यूनानी एवं आयुर्वेद समेत छह डॉक्टरों द्वारा करीब 66 हजार मरीजों का इलाज किया गया। सर्वाधिक मरीजों का इलाज होमियोपैथ विधा से किया गया है। आयुष विवि में अस्थाई ओपीडी संचालन के लिए बीते साल 15 फरवरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा फीता काटकर उदघाटन किया गया था। उदघाटन के बाद से इलाज के लिए मरीजों की भीड़ लगने लगी। मरीजों के इलाज के लिए होमियोपैथ, आयुर्वेद एवं यूनानी विधा के चिकित्सक तैनात किए गए हैं। बताया जा रहा है कि इलाज के लिए नए रोगियों के साथ पुराने भी आ रहे हैं।

होमियोपैथ चिकित्सक डॉ. अनूप कुमार श्रीवास्तव, यूनानी चिकित्सा के लिए डॉ. राजेश कुमार गौतम को नियुक्त किया गया। होमियोपैथिक में सर्वाधिक 14 हजार पांच मरीजों का इलाज हुआ है। वहीं आयुर्वेदिक विधा के लिए डॉ. विनय कुमार, डॉ. मनोरमा सिंह, डॉ. मनोज चौरसिया, डॉ. नीरज जैन तैनात किये गए हैं। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि ओपीडी में सामान्य रोगियों के साथ ही रोगी फालिज, गठिया, साइटिका, एलर्जिक के साथ ही पेट की समस्याओं को लेकर आ रहे हैं। इलाज से लाभ मिल रहा है। वहीं आयुर्वेद के चिकित्सक डॉ. विनय कुमार ने बताया कि जोड़ों के दर्द, गैस, कमर दर्द के साथ ही पुराने रोग से पीड़ित मरीज आ रहे हैं। प्रो. एके सिंह, कुलपति आयुष विवि ने कहा कि एक वर्ष में 65 हजार 580 रोगियों का इलाज किया गया है। सभी विधि में ओपीडी में पर्याप्त दवाएं हैं। रोगियों को आवश्यकता के अनुरूप होमियोपैथिक, आयुर्वेदिक एवं यूनानी सभी विधाओं की दवाएं निःशुल्क दी जा रही हैं।

अवैध लाइन का खेल, मुनाफा आता गया और बिछती गईं लाइनें

संवाददाता–गोरखपुर। जगदीशपुर कस्बे के पास कुछ दिनों पहले निजी कॉलोनी शिवशक्ति नगर में लेजर पावर फर्म की ओर से नियम विरुद्ध 500 मीटर तक अवैध लाइन खींच दी गई थी। मामले में अधिशासी अभियंता की तहरीर पर एंटी थेफ्ट थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। इसमें अज्ञात के नाम पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया। लेकिन, कॉलोनी में अवैध लाइन खींचने के मामले में विभाग की किसी जिम्मेदार अधिकारी की जवाबदेही तय नहीं की गई। पावर कारपोरेशन के नियम के मुताबिक, बिजली लाइन के खींचने के लिए संबंधित अवर अभियंता काम के मद में स्टोर से केबल, खंभा और ट्रांसफार्मर स्वीकृत करवाता है। लेकिन, कई मामले पकड़े गए जिसमें अवैध लाइनें खींच दी गई। हर बार सिर्फ ठेकेदार और फर्म पर मुकदमा दर्ज कर मामले को हल्का कर दिया गया। बिजली निगम के एक सेवानिवृत्त अभियंता ने बताया कि लाइनमैन जानते हैं कि क्षेत्र में उनके बिना सहमति के बिजली आपूर्ति सुचारु ढंग से नहीं चल सकती है। क्षेत्र के अभियंता भी लाइनमैनों के प्रति सरल हो जाते हैं, क्योंकि आपूर्ति व्यवस्था बिजली उपकेंद्र से लेकर उपभोक्ता के घरों तक लाइनमैन के जिम्मे होता है। इसी जिम्मेदारी में लाइनमैन मनमाना खेल करते हैं। सूत्र बताते हैं कि कई लाइनमैन से बिजली उपकेंद्र से सीधे उपभोक्ताओं के घरों तक अवैध बिजली की लाइन तक चलाते हैं। इसके बदले उनका और उनके साहबानों का प्रतिमाह रकम तय रहती है। कनेक्शन देने के बाद घर जाकर लाइन जोड़ने से लेकर फाल्ट बनाने में लाइनमैनों को सुविधा शुल्क देना ही पड़ता है। वरना शिकायत दर्ज कराने के बाद भी अंधेरे में ही रहना पड़ेगा।

बिजली निगम के सूत्रों ने बताया कि ग्रामीण वितरण मंडल प्रथम में 500 मीटर तक अवैध लाइन खींच कर दो घरों में आपूर्ति दी गई थी। मामले को लेकर निगम के एक अधिकारी ने दूसरे अधिकारी को बताया भी। लेकिन, मामला तब खुला जब इसी फर्म की तरफ से अवैध लाइन का बिल भेज दिया गया। अगर ये बिल नहीं आता तो लाइन बेफिक्री के साथ जलती रहती। बिजली निगम के अभियंता की तहरीर पर एंटी थेफ्ट थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। लेकिन, खंड के किसी भी जिम्मेदार की तरफ से फर्म को ब्लैक लिस्ट करने या अन्य किसी कार्रवाई के लिए एमडी को सूचना नहीं दी गई। केस दर्ज हुए लगभग चार महीने हो गए निगम की तरफ से आज तक एमडी को पत्र लिखकर इस फर्म के कार्यप्रणाली और इसे प्रतिबंधित करने के लिए पत्र नहीं लिखा गया। सूत्रों ने बताया कि बिजली निगम के जिम्मेदार प्रतिमाह या एक माह छोड़कर ओएंडएम में अपने कार्यों और बिजली उपकरणों की मांग भरते हैं। सामान की मांग को पोर्टल पर भरना होता है। उपकरणों की मांग भरने के बाद एसडीओ जांच कर आगे बढ़ाते हैं। फिर अधिशासी अभियंता स्वीकृति देते हैं। इसके बाद सामान की मांग सूची स्टोर को चली जाती। वहां से इसे जारी किया जाता। स्टोर से ही गड़बड़ी शुरू हो जाती है।

गुमशुदगी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है हम प्रार्थी शशि प्रताप सिंह पुत्र संत बहादुर सिंह. ग्राम व पोस्ट–बेलहरा, जनपद बस्ती का निवासी हूँ और सिंह ट्रेडर्स (TIN No. 09118909245) ग्राम व पो०– बेलहरा, जनपद–बस्ती का प्रोपराइटर हूँ। हम प्रार्थी द्वारा वाणिज्य कर विभाग, बस्ती से वित्तीय वर्ष 2016–17 में तमिलनाडु से माल मंगाने हेतु दो प्रति फार्म–38 जारी करवाया जिसमें एक फार्म पर हम प्रार्थी द्वारा माल मंगवाया गया और दूसरा फार्म सं० EE2420468. हमारे पास सुरक्षित था। दिनांक 08.11.2023 को वाणिज्य कर विभाग, बस्ती में जमा करने हेतु ले जा रहा था जो फार्म 38 सं० EE2420468 कहीं रास्ते में गुम हो गया है। यदि किसी को प्राप्त हो तो निम्न पते पर सूचना देकर सहयोग करें।

(शशि प्रताप सिंह)
प्रोपराइटर सिंह ट्रेडर्स
ग्राम व पोस्ट–बेलहरा,
जनपद–बस्ती
मो0नं0–9889160449
दिनांकः 16.12.2023

भाजपा नेता के पुत्र को मिली जान से मारने की धमकी, मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जबरैला निवासी आलोक यादव पुत्र लालजी यादव ने थाना पुलिस को तहरीर देकर गांव के ही एक युवक पर गाली तथा जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया है। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जबरैला निवासी आलोक यादव भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री के पुत्र हैं। उन्होंने थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 13 फरवरी को शाम आठ बजे के करीब वे ब्रह्मभोज कार्यक्रम से घर पर आकर अपना शटर खोल रहे थे कि रामकिशुन पुत्र पारसनाथ अपनी कार से हमारे दरवाजे से होकर जा रहे थे कि गाड़ी रोक कर भद्दी–भद्दी गालियां देने लगे। जब हमने रामकिशुन के मोबाइल पर फोन किया तो उन्होंने गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। थानाध्यक्ष विशाल उपाध्याय ने बताया कि आलोक यादव की तहरीर पर राम किशुन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

हैंडपम्प का चबूतरा बनवाने की मांग

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। बसखारी विकास खंड के फिदाईपुर गनेशपुर में राम जानकी मंदिर के निकट हैंडपम्प का चबूतरा खराब होने से श्रद्धालुओं को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामवासी राकेश कुमार, राम वृक्ष, आज्ञाराम व अन्य लोगों ने बताया कि ग्राम प्रधान व सेक्रेटरी से शिकायत के बाद भी चबूतरा का निर्माण कराने में उदासीन बने हुए हैं।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 100 मरीजों का उपचार

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। भारत स्वाभिमान एवं पतंजलि योग समिति के निर्देशन में पतंजलि चिकित्सालय सुर्तीहट्टा बस्ती द्वारा आम जनमानस को योग और आयुर्वेद से लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से बालाजी मन्दिर मेहदावल रोड बस्ती में मन्दिर के न्यासी चुनमुन लाल के सहयोग से निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से प्रशिक्षित वैद्य अजय चौधरी द्वारा लगभग 100 लोगों को निशुल्क चिकित्सा परामर्श देते हुए वजन, बीपी और शुगर की जांच की गई। इस अवसर पर लोगों ने मोटापा, ब्लड शुगर, थायराइड, बुखार, कमजोरी, सर्वाइकल, अनिद्रा व तनाव आदि रोगों के लिए निशुल्क परामर्श प्राप्त किया। वैद्य अजय चौधरी ने बताया कि आयुर्वेद रोगों को जड़ से समाप्त करता है तथा इसकी औषधियां मन में सात्विक विचार पैदा करती हैं जिससे रोग तो ठीक होता ही है साथ में विचार शक्ति को भी संबल प्रदान करती है। इस अवसर पर योग प्रशिक्षक गरुणध्वज पाण्डेय और शिव श्याम ने रोगानुसार योग का प्रशिक्षण दिया तथा आहार–विहार के बारे में जानकारी देते हुए पतंजलि आयुर्वेद द्वारा जनमानस के लाभ के लिए चलाए जा रहे स्वदेशी समृद्धि कार्ड योजना के बारे में बताते हुए कहा कि स्वदेशी उत्पाद की खरीद पर एक निश्चित लाभ आम लोगों को मिलेगा। ओम प्रकाश आर्य जिला प्रभारी भारत स्वाभिमान समिति बस्ती ने बताया कि इस तरह के शिविर जिले में ब्लाक व न्याय पंचायत स्तर पर लगा कर आम जनता को योग आयुर्वेद से लाभान्वित किया जाएगा जिसमें इसके लिए जिले में कार्यरत योग प्रचारकों द्वारा जन जागरण किया जा रहा है। इस अवसर पर पूनम , गीता गुप्ता ,इंद्रावती देवी किरण, जिनका देवी, मुसाफिर शर्मा, पूजा सिंह, धर्मवीर सिंह, चुनमुन लाल, पृथ्वी चंद प्रसाद , रामनिवास चौधरी, समीर पाठक , प्रभावती देवी , इन्द्रावती देवी, मनीष अरोड़ा , सोमपति देवी , गिरधारी लाल , निर्भय प्रताप सिंह , हरिप्रसाद चौधरी , रजनीश कांत, रामनारायण जायसवाल, ओम प्रकाश , मंजू , रामकुमार पांडे , महेश शर्मा, मीरा गुप्ता , दीपक गुप्ता सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

इजराइल जाने के लिए शुरू हो गई भर्ती

संवाददाता–अयोध्या। इजराइल में भवन निर्माण के लिए श्रमिकों की भर्ती फिर शुरू की गई है। दक्षता परीक्षण में जो श्रमिक छूट गए थे, उनको पुनरू सिविल लाइन में खपराडीह कोठी स्थित श्रम कार्यालय में संपर्क करना होगा। दक्षता परीक्षण में चयनित श्रमिकों को यहीं पर आधारकार्ड के साथ उपस्थित होना होगा, जिससे उनके मेडिकल परीक्षण व पुलिस सत्यापन की कार्यवाही करायी जा सके। उप श्रमायुक्त प्रतिभा तिवारी ने बताया कि मंडल के जिलों से आवेदन करने वाले श्रमिकों की सूची लखनऊ में दक्षता परीक्षण के लिए भेजी गई थी। आईटीआइ लखनऊ में अत्यधिक भीड़ हो जाने के कारण बड़ी संख्या में श्रमिक खाली हाथ लौट आए थे। उन्हें पुनरू मौका मिलेगा। नये आवेदन भी प्राप्त किए जाएंगे। चयनित श्रमिकों की संख्या 51 है। इन श्रमिकों के सत्यापन के लिए दो दिन का मौका है।

बस की ठोकर से युवक घायल

संवाददाता–गोरखपुर। बेलीपार थाना के चनऊ गांव के पास बुधवार की दोपहर एक युवक को रोडवेज बस ने ठोकर मार दी। ठोकर से युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। बेलीपार पुलिस इलाज के लिए मेडिकल कालेज ले गयी, जहां से उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया। बेलीपार क्षेत्र के मिलोरही निवासी बलवन्त यादव (40) दूध का कारोबार करते हैं। बुधवार की दोपहर चनऊ गांव के सामने रोडवेज की एक बस ने ठोकर मार दी। सिर में ज्यादा चोट लगने से वह सड़क पर अचेत हो गया। सूचना पर पहुंची बेलीपार पुलिस ने इलाज के लिए मेडिकल कालेज भेजवाया। उसकी हालत गम्भीर रूप से होने की वजह से उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया।

कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स गोरखपुर मण्डल गोरखपुर।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अकबर अली पुत्र श्री हबिबुल्लाह, अध्यक्ष/सदर की हैसियत से संस्था मदरसा व मस्जिद अशरफिया अहले सुन्नत तालीमुल कुरान, ग्राम व पो०–परसा खुर्द वुजुर्ग दरियापुर जंगल टोला तुलसीपुर, तहसील– भानपुर बाबू जनपद बस्ती के पंजीकरण हेतु निर्धारित शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। प्राप्त अभिलेख के अनुसार सर्व श्री 01. श्री अकबर अली–अध्यक्ष/सदर 2. श्री हसमत अली–उपाध्यक्ष/ना० सदर 3. श्री मोहम्मद इस्लाम–प्रबंधक/नाजिम 4. श्री जमाल अहमद– उपप्रबंधक/ना० नाजिम 5. श्री जान मोहम्मद–कोषाध्यक्ष/ खजांची 6. श्री अब्दुल्लाह–सदस्य 7. श्री गुलाम रसूल–सदस्य दर्शाये गये।

अतः यदि किसी व्यक्ति को उक्त संस्था के पंजीकरण पर आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा और गुण–दोष के आधार पर संस्था के पंजीकरण सम्बन्धी कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।

विदित हो कि उक्त नोटिस सो०रजि०एक्ट 1860 की धारा 3(1) के अन्तर्गत जारी किया जा रहा है।

आज्ञा से
(बी० के० सिंह)
सहायक रजिस्ट्रार गोरखपुर मण्डल गोरखपुर।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 68/2023
मूलवाद सं0 663/11
जगदीश
बनाम
कृष्ण कुमार चौरसिया

कृष्ण कुमार चौरसिया उम्र लगभग 67 वर्ष पुत्र राम नरायन निवासी मोहल्ला ग्राम पिकौरा दत्तूराय तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 20–03–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 20 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के ताहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा। बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1-4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com